■ कार्तिक कृष्णा - 4 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 77 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 10-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 गिल को एकदिवसीय कप्तान बनाना उचित फैसला : गांगुली

6 ज़रूरी है शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन

7 दीपिका पादुकोण के विज्ञापन में हिजाब पहनने को लेकर छिड़ी बहस

फर्स्ट टेक

पिछले साल अजरबैजानी विमान दुर्घटना के लिए रूसी वायु रक्षा प्रणाली जिम्मेदार थी : पुतिन

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिसंबर में अजरबैजान के एक विमान को मार गिराने के लिए रूस की वायु रक्षा प्रणाली जिम्मेदार थी। इस घटना में 38 लोग मारे गए थे। उन्होंने दुर्घटना के लिए पहली बार जिम्मेदारी स्वीकार की। पुतिन ने यह बयान ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव के साथ बैठक में दिया, जहां दोनों पूर्व सोवियत राष्ट्रों के शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। अजरबैजान एयरलाइंस का यात्री विमान 25 दिसंबर, 2024 को बाकू से रूसी गणराज्य चेचन्या की क्षेत्रीय राजधानी ग्रोज्नी के लिए उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से बात की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाजा के लिए अमेरिका की मध्यस्थता वाली शांति योजना के पहले चरण की 'सफलता' पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बृहस्पतिवार को बधाई दी और शत्रुता समाप्त करने के उनके प्रयासों के लिए उनकी सराहना की। मोदी ने ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह बात कही। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत का भारी-भरकम शुल्क लगाए जाने के बाद भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में तनाव है। इसमें भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने और ट्रंप ने व्यापार वार्ता में 'अच्छी प्रगति' की भी समीक्षा की। मोदी ने लिखा, ''मैंने अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात की और ऐतिहासिक गाजा शांति योजना की सफलता पर उन्हें बधाई दी।''

नेतन्याहू से प्रधानमंत्री मोदी ने बात की

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गाजा शांति योजना के तहत हुई प्रगति पर उन्हें बधाई दी। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने पुनः पुष्टि की कि किसी भी तरह का आतंकवाद विश्व में कहीं भी अस्वीकार्य है। मोदी ने कहा, ''हम बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता बढ़ाने पर हुए समझौते का स्वागत करते हैं।'' इससे पहले मोदी ने ट्रंप से भी बात की और गाजा शांति योजना पर उन्हें बधाई दी।

सूर्यास्त 10-10-2025 6:03 बजे	सूर्योदय 11-10-2025 6:09 बजे
BSE 82,172.10 (+398.45)	NSE 25,181.80 (+135.65)
सोना 12,783 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 167,199 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

मजबूर कानून

धारा की कारा में उलझा
होता कानून सदा बेबस।
भावुकता आँसू या धरने,
उसको कर सकते नहीं विवश।
उसको सुनना ही होता है,
विधि सम्मत सारे तर्क बहस।
जज मनमर्जी कर बैठे तो,
सिस्टम हो सकता तहस-नहस।।

भारत की वृद्धि गाथा का हिस्सा बनें वैश्विक निवेशक : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को वैश्विक कंपनियों का भारत की वृद्धि गाथा का हिस्सा बनने का आह्वान करते हुए कहा कि देश दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी केवल सुविधा का साधन नहीं, बल्कि समानता का माध्यम भी है। उन्होंने कहा, ''इस समावेशी दृष्टिकोण ने भारत की बैंकिंग प्रणाली को बदल दिया है। पहले बैंकिंग एक विशेषाधिकार थी, लेकिन डिजिटल प्रौद्योगिकी ने इसे सशक्तीकरण का साधन बना दिया है। आज डिजिटल भुगतान हर व्यक्ति के जीवन का हिस्सा है और इसका श्रेय 'जैम तिकड़ी' यानी जन धन, आधार और मोबाइल को जाता है। मोदी ने कहा कि भारत की वित्तीय-प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षमता को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। उन्होंने कहा कि भारत न केवल अन्य देशों के साथ प्रौद्योगिकी साझा कर रहा है, बल्कि इसे विकसित करने में भी उनकी मदद कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं सभी देशों, खासकर ब्रिटेन को भारत के साथ साझेदारी के लिए आमंत्रित करता हूं। सभी वैश्विक निवेशक भारत की वृद्धि गाथा का हिस्सा बनें। हमें ऐसा फिनटेक विश्व बनाना है जहां प्रौद्योगिकी, लोग और धरती सबका समान रूप से विकास हो। नवाचार का लक्ष्य केवल वृद्धि नहीं, बल्कि अच्छाई भी होना चाहिए और वित्त का मतलब सिर्फ संख्या नहीं बल्कि मानव प्रगति भी है। उन्होंने भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए कहा, ''हम जब लोकतंत्र की बात करते हैं तो यह केवल चुनाव या नीति निर्माण तक सीमित नहीं है। भारत ने लोकतांत्रिक भावना को शासन का मजबूत स्तंभ बनाया है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए से अस्थिर दुनिया में आएगी स्थिरता : मोदी

मुंबई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) देश के सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देगा और इससे रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य वर्ष 2030 की निर्धारित समयसीमा से पहले ही हासिल कर लेने का भरोसा जताया। मोदी ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के एक मंच को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) ऐसे समय में स्थिरता प्रदान करेगा जब दुनिया अस्थिरता का सामना कर रही है।

भारत का लोकतंत्र दुनिया में सर्वश्रेष्ठ, संसदीय व्यवधानों से निराश न हों : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत का संसदीय लोकतंत्र दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है और लोगों को सदन की कार्यवाही में व्यवधान से निराश नहीं होना चाहिए। पीएचडीसीसीआई के वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए रीजीजू ने कहा कि वह संसद में विपक्षी पार्टियों द्वारा ''महत्वपूर्ण मुद्दों'' पर किए गए हंगामे का स्वागत करते हैं, क्योंकि यह जीवंत लोकतंत्र का एक संकेत है। उन्होंने कहा, ''यदि यह मुद्दा संसद में उठाए जाने के लायक है तो मैं संसद में विपक्षी दलों द्वारा किये गये हंगामे का स्वागत करता हूं।'' उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही स्थगित करना विपक्ष को जगह देने का भी संकेत है।

रीजीजू ने कहा कि संसद एक ऐसा मंच है जहां विभिन्न विचारधाराओं के लोग जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए एकत्र होते हैं।

मंत्री ने कहा, ''वे संसद में अपने विचार और अपनी विचारधाराओं को प्रस्तुत करते हैं। विभिन्न पृष्ठभूमियों से इतने सारे लोग संसदीय मंच पर आते हैं, तो किसी न किसी तरह का हंगामा होना स्वाभाविक है।''

रीजीजू ने कहा कि व्यवधानों के बावजूद, संसद ने मानसून सत्र के दौरान ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए। उन्होंने कहा, ''लेकिन जब विपक्षी दल विरोध करते हैं तो हम उसका सम्मान करते हैं और उन्हें जगह देते हैं। ऐसे मामलों में संसद स्थगित हो जाती है।'' रीजीजू ने लोगों से आग्रह किया कि वे संसद में व्यवधान या संसद में कामकाज नहीं होने की खबरों से निराश न हों। उन्होंने कहा, ''हमारे पास जो प्रणालियां हैं, उनसे कभी निराश न हों। आप परिणाम से निराश हो सकते हैं, लेकिन यह दुनिया में उपलब्ध सर्वोत्तम प्रणाली है।''

विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग दावा करते हैं कि सरकार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबा रही है, वे कई मुद्दों पर सबसे मुखर हैं। उन्होंने कहा, ''जो व्यक्ति दिनभर बोलता रहता है, वह शिकायत करता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है।

वैश्विक दबाव के आगे नहीं झुकेगा भारत : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को कहा कि अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति में जहां व्यापार एवं शुल्क हथियार बन गए हैं... भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश को वैश्विक बाजारों पर निर्भर हुए बिना खाद्य सुरक्षा को और मजबूत करना चाहिए।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 120वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत, 'विश्व में भाई' की भूमिका निभाने में विश्वास रखता है और दुनिया के बारे में चिंतित है लेकिन देश का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, '' ऐसी अस्थिर भू-राजनीतिक स्थिति में जहां राष्ट्र एक-दूसरे से लड़ रहे हैं, जहां व्यापार एवं शुल्क को हथियार माना जा रहा है, जहां राष्ट्र अपनी मनमानी से दुनिया पर शासन कर रहे हैं... ऐसी स्थिति में, भारत को अपना रास्ता चुनना होगा। हम किसी के दबाव में नहीं आएंगे। अपने देश के हितों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है और यह वैश्विक शांति के लिए आवश्यक है। भारत जैसे जिम्मेदार देश को आगे आना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि भारत की 46 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर कृषि पर निर्भर है। इस पर निर्भरता को कम करने के लिए जारी प्रयासों के बावजूद इस क्षेत्र को मजबूत करना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा, '' मौजूदा स्थिति में खाद्यान्न के लिए वैश्विक बाजार पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसलिए हमें आत्मनिर्भर बनना होगा।

समझौता

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और ऑस्ट्रेलिया के उनके समकक्ष रिचर्ड मार्लेस के बीच कैनबरा में ''सकारात्मक'' वार्ता के बाद अपने द्विपक्षीय रक्षा और सैन्य संबंधों को और विस्तार देने के लिए सूचना साझा करने समेत तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किये। सिंह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और विदेश मंत्री पेनी वोंग से भी मुलाकात की, तथा संबंधों को और अधिक गतिशीलता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया।

करीब 47 प्रतिशत भारतीय अब भी 'ऑफलाइन'

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक दूरसंचार उद्योग जीएसएमए ने बृहस्पतिवार को कहा कि लगभग 47 प्रतिशत भारतीय अब भी 'ऑफलाइन' हैं। वहीं मोबाइल इंटरनेट का इस्तेमाल करने वालों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले 33 प्रतिशत कम है। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन (जीएसएमए) के एशिया प्रशांत प्रमुख जूलियन गोर्मन ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में पीटीआई-भाषा को बताया कि कनेक्टिविटी में यह अंतर मुख्य रूप से मोबाइल हैंडसेट की ऊंची कीमतों और तकनीकी कौशल के कारण है। उन्होंने कहा, ''लगभग 47 प्रतिशत भारतीय अब भी ऑफलाइन हैं और मोबाइल इंटरनेट का उपयोग करने के मामले में महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में 33 प्रतिशत कम होने की संभावना है। अगर इस पर तुरंत ध्यान नहीं दिया गया तो यह गहराता हुआ डिजिटल स्त्री-पुरुष अंतर समावेशी विकास में बाधक बन सकता है।'' गोर्मन ने कहा कि यह डेटा जीएसएमए इंटेलिजेंस के शोध पर आधारित है। जीएसएमए ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था एक दशक पहले 108 अरब डॉलर थी जो 2023 में तीन गुना बढ़कर 370 अरब डॉलर हो गई है और 2030 तक 1,000 अरब डॉलर को पार करने की राह पर है। रिपोर्ट के अनुसार, ''हालांकि...जब तक महत्वपूर्ण नवाचार और अपनाने की दर में अंतर को समाप्त नहीं किया जाता है, भारत के 2047 के डिजिटल संप्रभुता लक्ष्यों को प्राप्त करने से पहले ही गति कमजोर पड़ सकती है।''

अगले लोकसभा चुनाव से पहले यमुना की सफाई का काम पूरा हो जाएगा : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए बृहस्पतिवार को 1,816 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का अनावरण किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नदी को निर्मल बनाने का रास्ता साफ हो गया है।

शाह ने इस कार्यक्रम में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस नीत पिछली सरकारों पर निशाना साधा और उन पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने और नदी की सफाई के लिए कदम न उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यमुना की सफाई का संकल्प कोई राजनीतिक संकल्प नहीं है, बल्कि लोगों के बीच इसकी श्रद्धा का सम्मान करना है।

उन्होंने कहा, आज के कार्यक्रम का एक अलग महत्व है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि यमुना की सफाई सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और अगले लोकसभा चुनाव से पहले इसे पूरा कर लिया जाएगा। सत्ता में रही 'आप-दा' सरकार ने भी नदी के पुनरुद्धार की बात की थी। उन्होंने कहा था कि वे नदी में डुबकी लगा कर दिखाएंगे।

शाह ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर कटाक्ष करते हुए कहा, उन्होंने ऐसा नहीं किया, लेकिन प्रवेश वर्मा ने सुनिश्चित किया कि उनका कटआउट पानी में डुबकी लगाए। कटआउट बीमार हो गया और उसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

केजरीवाल ने 2020 में वादा किया था कि अगले चुनाव से पहले, वह यह सुनिश्चित करेंगे कि यमुना इतनी साफ़ हो जाए कि लोग उसमें डुबकी लगा सकें। उन्होंने कहा था कि वह भी लोगों के साथ डुबकी लगाएंगे।

शाह ने कहा कि दिल्ली की जनता ने आप को डुबो दिया।

यूक्रेन की नई मिसाइलों और ड्रोन से रूस में गैस की कमी हो रही है : जेलेंस्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

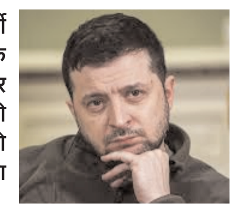

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन द्वारा नव विकसित लंबी दूरी की मिसाइलों और ड्रोनों द्वारा रूसी तेल सुविधा पर किए गए हमलों से रूस में गैस की भारी कमी हो रही है।

जेलेंस्की ने इसके साथ ही कहा कि युद्ध के मैदान में हाल ही में यूक्रेन द्वारा किए गए जवाबी हमले ने पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने की रूस की योजना को पटरी से उतार दिया है।

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की नई मिसाइलों ने दर्जनों रूसी सैन्य डिपो को निशाना बनाया है। उन्होंने बताया कि रूटा मिसाइल ड्रोन ने हाल ही में 250 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर स्थित एक रूसी तेल सुविधा पर हमला किया। उन्होंने इसे नए हथियार की 'बड़ी सफलता' करार दिया।

जेलेंस्की ने बुधवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि रूस में ईंधन की कमी और बढ़ते आयात से पता चलता है कि यूक्रेन के हमलों का असर हो रहा हैं। उन्होंने कहा, मुख्य बात यह है कि (रूस) अब गैसोलीन आयात कर रहा है। ये एक संकेत है। यूक्रेनी खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि रूस ने बेलारूस से गैस का आयात छह गुना बढ़ा दिया है और आयात शुल्क हटा दिए हैं। साथ ही चीन से भी ईंधन आयात कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, हमारे आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने (रूस) हमारे द्वारा किए गए हमलों के बाद अपनी गैसोलीन आपूर्ति का 20 प्रतिशत तक खो दिया है। रूसी अधिकारियों ने संभावित गैस की कमी के विषय में कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है।

ट्रंप का फिर से दावा,

भारी शुल्क लगाने की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर भारी शुल्क लगाने की धमकी देकर दोनों देशों के बीच तनाव कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि इस कदम से दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच लड़ाई रुक गई। बुधवार को 'फॉक्स न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि व्यापार और शुल्क को कूटनीतिक लाभ के रूप में इस्तेमाल करने की उनकी क्षमता ने कई संघर्ष क्षेत्रों में विश्व में शांति लाने में मदद की। उन्होंने कहा कि शुल्क (टैरिफ) आपको शांति का एक शानदार रास्ता दिखाते हैं और लाखों लोगों की जान बचाते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने सात ऐसे शांति समझौते कराए हैं जहां कई देश सैकड़ों वर्षों से लड़ रहे थे और लाखों लोग मारे जा रहे थे। उन्होंने कहा, सभी मामलों में नहीं, लेकिन शायद हमारे द्वारा किए गए सात (शांति समझौतों) में से कम से कम पांच में, यह व्यापार के माध्यम से हुआ। हम उनके साथ सौदा नहीं करेंगे, जो लड़ते हैं। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने देशों से कहा कि हम आपको अमेरिका में सौदा नहीं करने देंगे। हम आप पर शुल्क लगाएंगे। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल में हुए सैन्य संघर्ष का उदाहरण देते हुए इसे रोकने का दावा किया। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान दोनों से कहा था कि अगर वे लड़ाई नहीं रोकते हैं तो अमेरिका व्यापार रोक देगा और भारी शुल्क लगा देगा।

ट्रंप ने कहा, आप भारत और पाकिस्तान को देखिए। मैंने कहा, अगर आप दोनों संघर्ष नहीं रोकते तो हम आप दोनों के साथ व्यापार नहीं करेंगे। ये दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश हैं। जैसा कि आप जानते हैं, सात विमानों को मार गिराया गया, और वे उलझे हुए थे।

हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह किस देश के विमानों की बात कर रहे थे।

राष्ट्रपति ने दावा किया, मैंने कहा, हम आपके साथ कोई व्यापार नहीं करेंगे। हमारा आपसे कोई लेना-देना नहीं है। हम आप दोनों पर भारी शुल्क लगाएंगे...और 24 घंटे के अंदर ही, मैंने शांति समझौता करा दिया...उन्होंने लड़ाई रोक दी।

पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास चार बारूदी सुरंगों में विस्फोट

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास चार बारूदी सुरंगों और एक मोर्टार के गोले में विस्फोट हुआ, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह मनकोट इलाके के सगरा गांव में मशीन की मदद से जमीन खोदी जा रही थी, तभी जमीन में दबा मोर्टार का गोला फट गया। इस विस्फोट में खुदाई करने वाली मशीन का चालक बाल-बाल बच गया। विस्फोट के बाद मामले की जांच के लिए पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से गोलाबारी के दौरान मोर्टार का गोला फटा नहीं था। उन्होंने बताया कि एक अन्य घटना में, बुधवार को बालाकोट इलाके में चार बारूदी सुरंगें फट गईं। उन्होंने बताया कि विस्फोटों से कोई नुकसान नहीं हुआ है।

बच्चों को छोटी उम्र से ही यौन शिक्षा दी जानी चाहिए: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि बच्चों को छोटी उम्र से ही यौन शिक्षा दी जानी चाहिए, न कि कक्षा नौ से। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि यौन शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्यक्रम का हिस्सा होनी चाहिए, ताकि बच्चों और किशोरों को यौवन के साथ आने वाले हार्मोनल बदलावों के बारे में जागरूक किया जा सके। पीठ ने कहा, ''हमारा मानना है कि बच्चों को यौन शिक्षा छोटी उम्र से ही दी जानी चाहिए, न कि कक्षा नौ से। यह संबंधित प्राधिकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए सुधारात्मक उपाय करें, ताकि बच्चों को तरुणाई के बाद शरीर में होने वाले बदलावों और उनसे जुड़ी देखभाल एवं सावधानियों के बारे में जानकारी मिल सके। शीर्ष अदालत ने भादंसं (आईपीसी) की धारा 376 (बलात्कार) और 506 (आपराधिक धमकी) तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम की धारा-छह (गंभीर यौन हमला) के तहत आरोपों का सामना कर रहे 15 साल के एक किशोर को जमानत देते हुए ये टिप्पणियां कीं। सर्वोच्च न्यायालय ने आरोपी को नाबालिग बताते हुए उसे किशोर न्याय बोर्ड की ओर से निर्धारित शर्तों के तहत जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया।

धर्मांतरण के पीड़ित अगर दूसरों का धर्म बदलने की कोशिश करते हैं तो कार्रवाई हो सकती है : अदालत

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात उच्च न्यायालय ने कहा है कि धर्म परिवर्तन का शिकार होने का दावा करने वाले व्यक्ति यदि बाद में दूसरों का धर्म परिवर्तन करने का प्रयास करते हैं तो उन्हें भी कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। न्यायमूर्ति निर्जर देसाई की अदालत ने कई व्यक्तियों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एक अक्टूबर को कहा, ''अन्य व्यक्तियों को इस्लाम में धर्मांतरित करने के लिए प्रभावित करने, उन पर दबाव डालने और उन्हें प्रलोभन देने'' के उनके कृत्य के कारण उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया अपराध बनता है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि वे मूल रूप से हिंदू थे और अन्य व्यक्तियों ने उनका धर्मांतरण कराकर उन्हें मुसलमान बनाया, इसलिए वे स्वयं धर्म परिवर्तन के शिकार हैं, न कि आरोपी। अदालत ने कहा कि वे (याचिकाकर्ता) ''अन्य व्यक्तियों पर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डालने और उन्हें लुभाने'' में शामिल थे जिससे उनके विरुद्ध प्रथम दृष्टया अपराध बनता है।

पंजाब पुलिस ने बब्बर खालसा आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया, जालंधर से दो गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को जालंधर से दो लोगों को गिरफ्तार कर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने का दावा किया और एक रिमोट कंट्रोल के साथ आरडीएक्स युक्त एक विस्फोटक उपकरण जब्त किया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि परिष्कृत विस्फोटक सामग्री 'आईईडी' का उद्देश्य लक्षित आतंकवादी हमला करना था। डीजीपी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता में काउंटर इंटेलिजेंस, जालंधर ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया तथा 2.5 किलोग्राम आईईडी/आरडीएक्स और एक रिमोट कंट्रोल बरामद किया। इस मॉड्यूल को बीकेआई के सरगना हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देश पर ब्रिटेन में रह रहे गुर्गो निशान जौरियन और आदेश जमराई द्वारा संचालित किया जा रहा था।

यादव ने बताया कि मामले में दो लोगों गुरजिंदर सिंह और दीवान सिंह को जालंधर से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि अमृतसर में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मुंबई में राजमार्ग पर बीएमडब्ल्यू से 'रेसिंग' के दौरान पोर्श कार दुर्घटनाग्रस्त, दो घायल

मुंबई/भाषा। मुंबई में एक राजमार्ग पर बुधवार को देर रात तेज रफ्तार एक पोर्श कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई जिससे उसमें सवार दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जोगेश्वरी के समीप वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर देर रात करीब दो बजे यह घटना हुई। जोगेश्वरी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि तेज गति से आ रही पोर्श कार में दो लोग सवार थे और यह संभवत: एक बीएमडब्ल्यू कार से 'रेस' लगा रही थी। 'रेस' के दौरान चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार मोगरा मेट्रो स्टेशन के नीचे सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। ठाणे के मीरा-भयंदर निवासी चालक नुवो सोन्से (22) और मुंबई के लोखंडवाला क्षेत्र निवासी उसका दोस्त कार से अपने अन्य दोस्तों से मिलने बांद्रा जा रहे थे। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद सुरक्षा 'एयरबैग' खुल जाने के बावजूद सोन्से के पैरों में चोटें आईं। उसके दोस्त को भी मामूली चोटें लगीं। पुलिस और राहगीरों ने घायल कार चालक को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी के अनुसार, यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि दुर्घटना 'रेस' करने से हुई या फिर किसी अन्य कारण से।

छह लाख करोड़ रुपए के निवेश से 10,000 किलोमीटर के नए एक्सप्रेसवे बना रही है सरकार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार देशभर में छह लाख करोड़ रुपए की लागत से 25 ग्रीनफील्ड (नए) एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रही है, जिनकी लंबाई कुल 10,000 किलोमीटर होगी।

पीएचडीसीसीआई के 120वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि रणनीतिक जोजिला सुरंग का 75-80 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। यह सुरंग लद्दाख क्षेत्र और देश के बाकी हिस्सों के बीच सभी मौसम में संपर्क प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि यदि राजमार्ग मंत्रालय अपनी सड़क परियोजनाओं का मौद्रीकरण करता है तो उसे 15 लाख करोड़ रुपए मिलेंगे।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि एक्सप्रेसवे और आर्थिक गलियारों के निर्माण से देश की लॉजिस्टिक्स लागत 16

प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा, '' दिसंबर तक भारत की लॉजिस्टिक्स लागत घटकर नौ प्रतिशत रह जाएगी जिससे भारत को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद मिलेगी।

अमेरिका में लॉजिस्टिक्स लागत 12 प्रतिशत, यूरोपीय देशों में 12 प्रतिशत और चीन में आठ से 10 प्रतिशत है।

भारत के मोटर वाहन क्षेत्र के बारे में बात करते हुए मंत्री ने कहा, '' पांच साल के भीतर हमारा लक्ष्य भारत के मोटर वाहन उद्योग को दुनिया में नंबर एक बनाना है। गडकरी ने कहा, '' जब मैंने परिवहन मंत्री का कार्यभार संभाला था, तब भारतीय मोटर वाहन उद्योग का आकार 14 लाख करोड़ रुपए था। आज भारतीय मोटर वाहन उद्योग का आकार 22 लाख करोड़ रुपए है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मोटर वाहन क्षेत्र चार लाख युवाओं को रोजगार देता है और केंद्र व राज्यों को सबसे अधिक जीएसटी (माल एवं सेवा कर) राजस्व प्रदान करता है।

अमरावती के विकास का फल सबसे पहले अपनी ज़मीन कुर्बान करने वाले किसानों को मिले : आंध्र के मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा है कि अमरावती के विकास का लाभ सबसे पहले उन किसानों को मिलना चाहिए जिन्होंने राजधानी के लिए अपनी जमीन का बलिदान दिया। सचिवालय में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण (सीआरडीए) की 53 वीं बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि 'किसानों का विकास भी ग्रीनफील्ड राजधानी शहर के विकास के साथ-साथ होना चाहिए।

सीआरडीए ने 212 करोड़ रुपए की लागत से अमरावती में राजभवन के निर्माण को मंजूरी दी और इसका निर्माण कृष्णा नदी के तट पर अमरावती सरकारी परिसर के हिस्से के रूप में किया जाएगा। नायडू ने बुधवार देर रात एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''हमने राजधानी शहर के निर्माण कार्य को फिर से शुरू कर दिया है। अमरावती के विकास का लाभ सबसे पहले उन किसानों को मिलना चाहिए जिन्होंने राजधानी के लिए अपनी जमीन कुर्बान कर दी। नायडू के 'ड्रीम प्रोजेक्ट' के तहत अमरावती के लिए खरीदी गई 54 हजार एकड़ ज़मीन में से 34,281 एकड़ ज़मीन 29 गांवों के लगभग 30 हजार किसानों से ली गई थी। इनमें से ज़्यादातर लोग दलित हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अमरावती के लिए अपनी जमीनें देने वाले किसानों को वादे के तहत इसके बदले योग्य भूखंड उनके ही गांवों में तुरंत सौंपे जाएं। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख ने निर्देश दिया कि किसानों को पट्टा राशि का भुगतान करने में देरी नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों को ग्रीनफील्ड राजधानी शहर के निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश देते हुए नायडू ने कहा कि अमरावती को तीन महीने के भीतर बेहतर रूप में लाया जाए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आग्रह किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कर्तव्य पथ पर बृहस्पतिवार को स्वदेशी मेले का उद्घाटन किया और कहा कि उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी के कारीगरों की कला को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित स्वदेशी मेला 11 अक्टूबर तक चलेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''पूरे देश में एक जिला एक उत्पाद पर चर्चा हो रही है इसलिए मैंने हमारे मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा (उद्योग मंत्री) से पूछा कि चाट-पकौड़े के अलावा दिल्ली की क्या विशेषता है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम दिल्ली के कारीगरों की कारीगरी को बढ़ावा देना चाहते हैं ताकि वे न केवल देश में बल्कि दुनिया भर में प्रसिद्धि प्राप्त करें।

ट्राई के स्पेक्ट्रम की कीमतें तय होने के बाद उपग्रह संचार सेवा शुरू होगी : सिंधिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में उपग्रह संचार ब्रॉडबैंड सेवाएं, कंपनियां के अपनी योजना को अंतिम रूप देने और क्षेत्र नियामक भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के स्पेक्ट्रम कीर कीमतें तय करने के बाद शुरू होगी।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में पत्रकारों के साथ बातचीत में मंत्री ने कहा कि दो कंपनियों को उपग्रह संचार सेवाओं के लिए लाइसेंस दिए गए हैं और एक अन्य को आशय पत्र

(एलओआई) जारी किया गया है। सिंधिया ने कहा, '' यह कंपनियों पर निर्भर करता है कि वे कितनी जल्दी अपनी क्रियान्वयन रणनीति लागू कर पाती हैं। एक मुद्दा यह है कि ट्राई को अभी स्पेक्ट्रम मूल्य निर्धारण को अंतिम रूप देना है। यह लंबित हिस्सा है और नियामक इसे पूरा करेगा।भारत में उपग्रह संचार सेवा शुरू होने को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ रही है। अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के स्वामित्व वाली स्टारलिंक, भारती समर्थित यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस जियो-एसईएस जैसी प्रमुख कंपनियां ब्रॉडबैंड इंटरनेट क्षेत्र में दांव लगाने का उत्सुक हैं।

सरकार ने यूटेलसैट वनवेब और जियो-एसईएस को परमिट प्रदान कर दिया है, तथा स्टारलिंक को आशय पत्र (एलओआई) जारी कर दिया है। इस बीच, वोडाफोन आइडिया को राहत दिए जाने के संबंध में पूछे गए एक प्रश्न पर मंत्री ने कर्ज में डूबी इस कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी बढ़ाने की किसी भी योजना से इनकार किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष के साथ वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष रिचर्ड मार्लेस ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और विस्तार देने पर बृहस्पतिवार को कैनबरा में चर्चा की तथा सैन्य हार्डवेयर के संयुक्त उत्पादन की संभावना पर विचार-विमर्श किया।

सिंह दो दिवसीय यात्रा पर ऑस्ट्रेलिया गए हैं। उन्होंने मार्लेस के साथ अपनी बैठक को ''सार्थक'' बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने रक्षा उद्योग, साइबर रक्षा, समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय चुनौतियों सहित भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की।

सिंह ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के महत्व की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा, ''मैंने भारत के रक्षा उद्योग के तेजी से विकास और वैश्विक स्तर पर उच्च-गुणवत्ता वाली रक्षा प्रौद्योगिकी के एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने बताया कि दोनों पक्षों ने ''रक्षा उद्योग में गहरी साझेदारी'' की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा, ''मैं सीमा पार आतंकवाद और साझा क्षेत्रीय स्थिरता पर ऑस्ट्रेलिया के दृढ़ समर्थन के लिए उसका आभार व्यक्त करता हूं। हम साथ मिलकर एक स्वतंत्र, खुले और लचीले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए सहयोग को और गहरा करेंगे। सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से भी मुलाकात की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई नेता ने मुलाकात के दौरान भारत के साथ अपने गहरे जुड़ाव का जिक्र किया। सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध और भी गहरे और मजबूत होते रहेंगे।

क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, पोत यात्राओं और द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों के क्षेत्र समेत भारत और ऑस्ट्रेलिया के रक्षा संबंधों का पिछले कुछ वर्षों में विस्तार हुआ है। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2020 में अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी से बढ़ाकर व्यापक रणनीतिक साझेदारी (सीएसपी) में तब्दील कर दिया था।

सरकार ने कपड़ा उद्योग की पीएलआई योजना में कई बदलाव किए

नई दिल्ली/भाषा। कपड़ा मंत्रालय ने उद्योग की चुनौतियों को दूर करने और नए निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए बृहस्पतिवार को 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना में महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा की।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि योजना के तहत उपलब्ध उत्पादों की संख्या बढ़ाना, न्यूनतम निवेश सीमा को आधा करना और प्रोत्साहन के लिए आवश्यक वृद्धिशील कारोबार की सीमा को 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करना शामिल है।

मंत्रालय ने कहा कि ये कदम वस्त्र उद्योग में कारोबारी सुगमता को बढ़ाने, निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

संशोधित पीएलआई योजना के तहत अब मानव-निर्मित रेशों (एमएमएफ) से बने परिधानों के लिए आठ नए एचएसएन कोड और एमएमएफ कपड़ों के लिए नौ नए एचएसएन कोड को सरकारी वित्तीय सहायता के लिए पात्र सूची में जगह दी गई है। आवेदक अब मौजूदा कंपनियों के अंतर्गत ही परियोजना इकाइयां स्थापित कर सकते हैं। एक अगस्त, 2025 से नए आवेदकों के लिए न्यूनतम निवेश शर्तें भी घटा दी गई हैं। इसे पार्ट-1 श्रेणी में 300 करोड़ रुपए से घटाकर 150 करोड़ रुपए और पार्ट-2 श्रेणी में 100 करोड़ रुपए से घटकर 50 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसके साथ ही, प्रोत्साहन पाने के लिए कंपनी को दूसरे वर्ष से न्यूनतम 10 प्रतिशत वृद्धिशील कारोबार दिखाना भी अनिवार्य होगा।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी दिल्ली पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी के सत्ता से हटने और तालिबान के सत्ता अपने हाथ में लेने के चार साल बाद तालिबान सरकार के किसी नेता की काबुल से भारत की यह पहली उच्च-स्तरीय यात्रा है।

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि मुत्तकी अपनी छह दिवसीय भारत यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ व्यापक बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा, ''अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्तकी का नई दिल्ली आगमन पर हार्दिक स्वागत है। उन्होंने कहा, ''हम उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं।

मामले से परिचित लोगों ने बताया कि मुत्तकी के कार्यक्रमों में दारुल उलूम देवबंद मदरसा का दौरा और ताजमहल की यात्रा शामिल है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का पिछले महीने नई दिल्ली का दौरा निर्धारित था, लेकिन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रतिबंधों के तहत उन पर लगे यात्रा प्रतिबंध के कारण इसे रद्द कर दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र के एक बयान के अनुसार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की समिति ने 30 सितंबर को मुत्तकी को नौ से 16 अक्टूबर तक नई दिल्ली की यात्रा की अनुमति देते हुए यात्रा प्रतिबंध में अस्थायी छूट को मंजूरी दे दी है। इस छूट ने अफगान विदेश मंत्री के भारत दौरे का रास्ता साफ कर दिया।

अदालत कक्ष में हमले के प्रयास की घटना से हम स्तब्ध, लेकिन अब यह विस्मृत अध्याय: न्यायमूर्ति गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन उस समय स्तब्ध रह गए थे जब छह अक्टूबर को एक वकील ने उन पर जूता फेंकने का प्रयास किया था, लेकिन अब यह मुद्दा एक ''विस्मृत अध्याय'' है।

यह घटना सोमवार को उस समय हुई थी, जब प्रधान न्यायाधीश के नेतृत्व वाली पीठ वकीलों द्वारा उल्लेख किए गए मामलों की सुनवाई कर रही थी। आरोपी 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर ने अपना जूता निकाला और

उसे न्यायाधीशों की ओर उछालने का प्रयास किया। इस कृत्य की चौतरफा निंदा हुई थी। प्रधान न्यायाधीश ने वनशक्ति मामले में फैसले की समीक्षा और संशोधन का अनुरोध करने संबंधी याचिकाओं की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। प्रधान न्यायाधीश ने जूता फेंकने के प्रयास की घटना पर कहा, ''सोमवार को जो कुछ हुआ उससे मैं और मेरे विद्वान साथी (न्यायमूर्ति चंद्रन) बहुत स्तब्ध हैं; हमारे लिए यह एक विस्मृत अध्याय है। पीठ में शामिल न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां ने दोषी वकील के खिलाफ की गई कार्रवाई से असहमति जताई और कहा, ''इस पर मेरे अपने विचार हैं, वह प्रधान न्यायाधीश हैं, यह मजाक की बात नहीं है! न्यायमूर्ति भुइयां ने कहा कि यह घटना ''उच्चतम न्यायालय का अपमान'' है और इस संबंध में उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस कृत्य को अक्षम्य बताया। शीर्ष विधि अधिकारी ने प्रधान न्यायाधीश की उदारता और ''महानता'' की सराहना की। अदालत में मौजूद वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन से सुनवाई को आगे बढ़ाने तथा इस चौंकाने वाले प्रकरण पर आगे चर्चा न करने को कहा।

चिदंबरम ने एसआईआर पर सवाल उठाए, निर्वाचन आयोग से 'डुप्लिकेट' मतदाताओं पर जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बृहस्पतिवार को सवाल खड़े किए और जानना चाहा कि राज्य की वयस्क आबादी का कितना हिस्सा मतदाता सूची में शामिल किया गया है और क्या 'डुप्लिकेट' नामों की संख्या लगभग 5.2 लाख है?

चिदंबरम ने यह भी कहा कि वह निर्वाचन आयोग पर किसी भी गड़बड़ी का आरोप नहीं लगा रहे हैं, लेकिन भारत और बिहार के लोग बिहार मतदाता सूची पर निम्नलिखित सवालों के जवाब पाने के हकदार हैं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत सरकार के अनुसार

बिहार की वयस्क आबादी का अनुमान क्या है? बिहार मतदाता सूची में वयस्क आबादी का कितना हिस्सा शामिल किया गया है? और क्या यह 90.7 प्रतिशत है?'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''शेष 9.3 प्रतिशत वयस्क आबादी का क्या? उन्हें मतदाता सूची में क्यों शामिल नहीं किया गया है? मतदाता सूची में कितने नाम अस्पष्ट हैं? क्या यह संख्या लगभग 24,000 है? मतदाता सूची में कितने मकान नंबर रिक्त हैं या स्पष्ट रूप से अमान्य हैं? क्या यह संख्या 2,00,000 से अधिक है?''

वैज्ञानिक भावना भारत के विकास का ईंधन है : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दोड्डबल्लापुर। कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा कि भारत का ज्ञान-विज्ञान, तकनीकी प्रगति के साथ मिलकर, वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ मानव कल्याण हेतु कार्यरत है। प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नवाचारों का संगम भारत को विज्ञान की दुनिया में एक विश्व शक्ति बना रहा है। यहां प्रथम राज्यस्तरीय दूरबीन प्रशिक्षण शिविर-2025 के पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, प्राचीन काल से ही विज्ञान के क्षेत्र में भारत का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त और वराहमिहिर जैसे वैज्ञानिकों ने गणित, खगोल विज्ञान और भौतिकी की सुदृढ़ नींव रखी। शून्य, दशमलव प्रणाली, ग्रहों की गति और पृथ्वी के घूर्णन जैसे सिद्धांत भारत की ही देन हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में चरक और सुश्रुत ने आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा में उल्लेखनीय प्रगति की। दिल्ली का लौह स्तंभ भारतीय धातु विज्ञान की उत्कृष्टता का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि आज़ादी के बाद से, भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। डॉ. होमी भाभा ने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम की शुरुआत की, जबकि डॉ. विक्रम साराभाई ने अंतरिक्ष अनुसंधान की नींव रखी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने चंद्रयान और मंगलयान जैसी सफलताओं से भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाया है। चंद्रयान-3 के साथ, भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बन गया। उन्होंने कहा, भारत सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा के क्षेत्र में भी अग्रणी है । कोविड -19 महामारी के दौरान, भारत ने कोवैक्सिन और कोविशील्ड जैसे स्वदेशी टीके विकसित करके दुनिया के सामने अपनी वैज्ञानिक क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवा वैज्ञानिकों, उत्साही शिक्षकों और प्रतिबद्ध आयोजकों के बीच होना खुशी की बात है। 'मैं एक वैज्ञानिक हूँ' कार्यक्रम के तहत आयोजित पहले नौ दिवसीय राज्य स्तरीय दूरबीन प्रशिक्षण शिविर 2025 में, कर्नाटक के 160 से अधिक छात्रों ने अपनी दूरबीनें बनाईं।

यह सराहनीय है कि उन्होंने एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रवेश किया है। मैं इस उपलब्धि के लिए सभी छात्रों और आकाओं को बधाई देता हूं। यह उपलब्धि न केवल एक कीर्तिमान स्थापित करती है, बल्कि कर्नाटक के युवाओं में जिज्ञासा, नवाचार और वैज्ञानिक भावना को भी प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा अपने हाथों से बनाई गई दूरबीनें न केवल तारों को देखने की खुशी का प्रतीक हैं, बल्कि बड़े सपने देखने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रयास करने की खुशी का भी प्रतीक हैं।

कर्नाटक राज्य विज्ञान परिषद और उसके अध्यक्ष हुलिकल नटराज का कार्य सराहनीय है। छात्रों और समाज में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए उनका समर्पण प्रशंसनीय है। विज्ञान के ज्ञान को पाठ्यपुस्तकों से आगे व्यावहारिक शिक्षा तक ले जाकर, वे एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं जो वैज्ञानिक रूप से सोचती है, बुद्धिमानी से प्रश्न करती है और आत्मविश्वास के साथ नवाचार करती है।

इस कार्यक्रम में कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति नागमोहन दास, विधायक धीरज मुनिराज, इसरो के सेवानिवृत्त अध्यक्ष डॉ. ए.एस. किरण कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सभी क्षेत्रों की महिलाओं के लिए एक दिन के मासिक धर्म अवकाश को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने परिधान और सूचना प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के लिए एक दिन के मासिक धर्म अवकाश को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। सरकार ने यह जानकारी दी। राज्य के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया, मंत्रिमंडल ने आज परिधान से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी तक विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं के लिए कम से कम एक दिन की छुट्टी को मंजूरी दे दी।

मंत्रिमंडल ने श्रम, बुनियादी ढांचा, शहरी विकास, शिक्षा, सामाजिक कल्याण और पर्यटन क्षेत्रों में कई प्रमुख प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। इसने कर्नाटक श्रम कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी, जो संगठित श्रमिकों और उनके आश्रितों के लिए शैक्षिक प्रोत्साहन समेत छह मौजूदा श्रम कल्याण योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता को बढ़ाता है।

बुनियादी ढांचे के विकास में, सरकार ने पहले चरण में 1,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 39 प्रमुख पुलों के पुनर्निर्माण और पुनर्वास को मंजूरी दी। इसके अलावा, ऊंची इमारतों में आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग के लिए 16 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 52-54 मीटर तक पहुंचने में सक्षम 'एरियल लैडर प्लेटफार्म व्हीकल' की खरीद को भी मंजूरी दी गई।

शहरी विकास के तहत, मंत्रिमंडल ने मौजूदा औराद (बी) नगर पंचायत को उन्नत करके बीदर जिले में औराद नगर पालिका परिषद के गठन को मंजूरी दी, जिसकी 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या 19,849 थी। यह निर्णय कर्नाटक नगर पालिका अधिनियम, 1964 के प्रावधानों के तहत लिया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में, मंत्रिमंडल ने कनकपुरा में एक नये चिकित्सा कॉलेज की स्थापना को मंजूरी दी, जिसे स्वायत्त दर्जा प्राप्त होगा और जिसमें प्रति वर्ष 150 छात्रों को प्रवेश मिलेगा। लगभग 550 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना में कॉलेज भवन, 300 बिस्तरों वाला शिक्षण अस्पताल, लड़कों और लड़कियों के लिए छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर और संबंधित सुविधाएं शामिल होंगी, जिनका वित्तपोषण राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।

प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में, मैसूरु में सी.पी.सी. पॉलिटेक्निक के नवीनीकरण और अतिरिक्त सुविधाओं के निर्माण के लिए 70 करोड़ रुपये तथा चिंतामणि पॉलिटेक्निक के उन्नयन के लिए 50 करोड़ रुपये मंजूर किए गए, जिसमें एक ऑडिटोरियम और बुनियादी ढांचे में सुधार शामिल है।

अदालत ने एमयूडीए मामले में जांच अधिकारी बदलने की याचिका खारिज की

सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए, जबकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और कर्नाटक लोकायुक्त दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) भी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ एक मामले में जांच अधिकारी बदलने का अनुरोध किया था।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में, यह आरोप लगाया गया है कि सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को एमयूडीए द्वारा अधिग्रहित जमीन के बदले में मैसूरु के उस क्षेत्र में भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी भूमि की तुलना में अधिक था। याचिकाकर्ता ने अदालत से कर्नाटक लोकायुक्त को जांच के लिए एक अलग अधिकारी नियुक्त करने को लेकर निर्देश देने का अनुरोध किया था।

हालांकि, बेंगलूरु की एक सत्र अदालत ने अनुरोध को अस्वीकार कर दिया और इसके बजाय लोकायुक्त को जांच को यथाशीघ्र और अधिकतम दो महीने की अवधि के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विस्तृत रिपोर्ट दाखिल करने के लिए और कोई समय-सीमा नहीं बढ़ाई जाएगी। अदालत ने अपने कार्यालय को आदेश की सूचना तुरंत जांच एजेंसी को देने का भी निर्देश दिया।

बृहस्पतिवार की सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए, जबकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और कर्नाटक लोकायुक्त दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) भी उपस्थित थे। अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए मामले की अगली सुनवाई 15 नवंबर को निर्धारित की गई है। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहां आवासीय परिसर विकसित किया गया था। मुख्यमंत्री ने कथित मामले में किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया है।

केंद्रीय हिंदी संस्थान में हिंदी पखवाड़े का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। केंद्रीय हिंदी संस्थान केंद्र पर 8 अक्टूबर से हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय हिंदी संस्थान, मैसूरु केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रणजीत भारती ने की।

मैसूरु केंद्र पर ही कार्यरत एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. योगेंद्र मिश्र द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा जारी हिंदी के प्रति संदेश वाचन किया। वैसे तो पखवाड़ा सितंबर माह में मनाना था लेकिन मैसूरु में उस दौरान दशहरा त्यौहार होने के कारण कॉलेजों में अवकाश होने के कारण हिंदी पखवाड़े के कार्यक्रम का आयोजन अक्टूबर में आयोजित किया जा रहा है।

हिंदी पखवाड़े के पहले दिन दो प्रतियोगिताएँ निबंध लेखन एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में 59 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं वाद विवाद प्रतियोगिता में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पखवाड़े में पांच प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं में मैसूरु में स्थित तीन महाविद्यालय टेरेशियन महाविद्यालय, सेंट जोसेफ महिला महाविद्यालय, महारानी महिला महाविद्यालय के प्रतिभागी विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लंदन के इंपीरियल कॉलेज ने साइंस गैलरी बेंगलूरु के साथ साझेदारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। इंपीरियल कॉलेज, लंदन ने मुक्त अनुसंधान सुविधाओं का सह-विकास करने, एक संयुक्त फेलोशिप के माध्यम से ब्रिटेन-भारत और वैश्विक प्रतिभा आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए साइंस गैलरी बेंगलूरु (एसजीबी) के साथ साझेदारी की है। इंपीरियल के अध्यक्ष ह्यूग ब्रैडी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की। ब्रैडी के अनुसार, इस साझेदारी का उद्देश्य अनुसंधान और शिक्षा के साथ-साथ जन सहभागिता को भी बढ़ाना है।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब इंपीरियल अध्यक्ष भारत की पहली आधिकारिक यात्रा पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं। ब्रैडी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''इस नई साझेदारी के माध्यम से, दोनों संगठन एसजीबी में ही मुक्त अनुसंधान सुविधाओं का सह-विकास करने, एक संयुक्त फेलोशिप के माध्यम से ब्रिटेन-भारत और वैश्विक प्रतिभा आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, और जन सहभागिता, अनुसंधान और शिक्षा के लिए सहयोग करने की योजना बना रहे हैं।''

संस्था ने एक बयान में कहा, ''प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा में हमारी भागीदारी इस साल की शुरुआत में हमारे इंपीरियल ग्लोबल इंडिया हब के आरंभ के बाद, ब्रिटेन-भारत साझेदारी को मजबूत करने में इंपीरियल की भूमिका का संकेत देती है।'' इंपीरियल कॉलेज ने बेंगलूरु में अपना भारतीय केंद्र स्थापित किया है, जो सिंगापुर, अमेरिका में सैन फ्रांसिस्को और घाना में अकरा के बाद वैश्विक नेटवर्क केंद्रों की शृंखला में चौथा है।

'इंपीरियल ग्लोबल इंडिया' नामक यह केंद्र एक संपर्क कार्यालय के रूप में स्थापित किया गया है और यह इंपीरियल और भारत के प्रमुख संस्थानों के बीच नई अनुसंधान साझेदारियों को मजबूत करने और सह-निर्माण पर केंद्रित होगा। साइंस गैलरी बेंगलूरु की संस्थापक निदेशक, जाह्नवी फाल्की ने कहा, हमें अपने सार्वजनिक प्रयोगशाला परिसर के सह-विकास के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। यह साझा स्थान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जहां जिज्ञासा, रचनात्मकता और शिक्षा सीमाओं के पार फूलती-फलती है।'' इंपीरियल की स्थापना 1907 में हुई थी। यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, चिकित्सा और व्यवसाय (एसटीईएमबी) के लिए विश्व का अग्रणी विश्वविद्यालय है।

नाबालिग को मादक पदार्थ के सेवन के लिए मजबूर करने का वीडियो सामने आने के बाद छह लड़के हिरासत में

बेंगलूरु। सोशल मीडिया में एक वीडियो सामने आने के बाद छह लड़कों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें कथित तौर पर वे एक नाबालिग के कपड़े उतारते, उसके साथ मारपीट करते और उसे मादक पदार्थ का सेवन करने के लिए मजबूर करते हुए दिख रहे हैं। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय प्रकाश में आई जब गोविंदराजनगर थाने की सोशल मीडिया निगरानी इकाई चार अक्टूबर को सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने वाली गतिविधियों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए ऑनलाइन मंच की जांच कर रही थी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीडियो थाना प्रभारी को दिखाया गया और उन्होंने इसकी समीक्षा करने के बाद, घटना के संबंध में स्वतः मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने वीडियो में दिख रहे पीड़ित का पांच अक्टूबर को पता लगा लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, पूछताछ करने पर उसने बताया कि करीब पांच-छह महीने पहले कुछ लड़कों ने उसे एक कमरे में बंद कर दिया था और उसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ वाली सिगरेट पीने के लिए मजबूर किया था। जब उसने मना किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की और गालियां दीं।

उसने बताया कि पूरी घटना का वीडियो भी बना लिया गया। उन्होंने बताया कि उसी दिन पुलिस ने घटना में शामिल छह नाबालिगों का पता लगाया और उनसे पूछताछ की। अधिकारी ने बताया, उनमें से एक ने कबूल किया कि घटना उसके घर में हुई थी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद, सभी छह लड़कों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जहां से उन्हें देखभाल और संरक्षण के लिए मदिवाला स्थित सरकारी संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया। पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों पर कड़ी नजर रखें और अगर उन्हें ऐसा कोई व्यवहार दिखाई दे तो स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. एमडी-सीएच-एलपीएमईडी-एमओयू-4-2025 नियत दिनांक 20.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
डिस्काउंट घटाने के बाद	रू. 1,24,39,376.00

दवाईयों के लिए भुगतान की जाने वाली कीमत का प्रतिशत (%)। (यदि डिस्काउंट x है तो उपरोक्त मूल्य 100-x होगा) । एमआरपी पर दिया जाने वाला अधिकतम डिस्काउंट संलग्न किए गए अनुलग्नक में वर्णित किए जाएगा।

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 20.10.2025 को 15.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in

चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय अस्पताल, हुब्बल्लि
PUB/533/AAD360/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

डीके शिवकुमार ने बिग बॉस कन्नड़ का स्टूडियो खुलवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामनगर। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के हस्तक्षेप के बाद, बेंगलूरु दक्षिण जिला प्राधिकारियों ने बृहस्पतिवार तड़के उस वेल्स स्टूडियोज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगी सील हटवा दी, जहां बिग बॉस कन्नड़ (बीबीके) के शो की शूटिंग की जा रही थी। पर्यावरण मानकों के उल्लंघन के आरोप में मंगलवार को इस स्टूडियो को सील कर दिया गया था।

शिवकुमार ने बुधवार को बेंगलूरु दक्षिण जिला प्राधिकारियों को वेल्स स्टूडियोज एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगी सील हटाने का निर्देश दिया। शिवकुमार ने बुधवार देर रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने बेंगलूरु दक्षिण जिला के उपायुक्त को बिडदी स्थित जॉलीवूड परिसर पर लगी सील हटाने का निर्देश दिया है, जहां 'बिग बॉस कन्नड़' की शूटिंग हो रही है। शिवकुमार ने 'बिग बॉस कन्नड़' के जारी सीजन के भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता को समाप्त करने की कोशिश करते हुए स्पष्ट किया, पर्यावरण अनुपालन हमारी पहली प्राथमिकता है, वहीं स्टूडियो को कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तय किए गए मानदंडों के अनुसार उल्लंघनों को ठीक करने के लिए समय दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, मैं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को बरकरार रखते हुए, कन्नड़ मनोरंजन उद्योग का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। सूत्रों के अनुसार, बेंगलूरु दक्षिण जिला प्राधिकारियों, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों का एक दल बृहस्पतिवार को तड़के तीन बजे के आसपास स्टूडियो पहुंचा और उसे खोल दिया। बीबीके शो की मेजबानी कर रहे अभिनेता किच्चा सुदीप ने शिवकुमार के हस्तक्षेप के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

अभिनेता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं माननीय डी के शिवकुमार सर का समय पर दिए गए समर्थन के लिए दिल से धन्यवाद करता हूं। साथ ही मैं उन संबंधित प्राधिकारियों का भी धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने यह स्वीकार किया कि बिग बॉस कन्नड़ का हाल में हुए किसी भी हंगामे या गड़बड़ी में कोई हाथ नहीं था। मैं उपमुख्यमंत्री का मेरे फोन का तुरंत जवाब देने के लिए वास्तव में आभारी हूं और उनके समर्पित प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूं।

बीबीके12 जारी रहेगा। कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशों पर मंगलवार को जिला प्राधिकारियों ने परिसर को सील कर दिया था। बोर्ड ने कहा था कि स्टूडियो उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा तय किए गए पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करते हुए, जरूरी लाइसेंस लिए बिना काम कर रहा था।

स्टूडियो बंद होने के कारण 'बिग बॉस कन्नड़' के जारी सीजन के भविष्य पर एक बड़ा सवालिया निशान लग गया था। स्टूडियो के बंद होते ही सभी प्रतिभागियों को मजबूरन वहां से बाहर जाना पड़ा था। इस अनिश्चितता का सामना करते हुए, आयोजकों ने उन सभी प्रतिभागियों को बेंगलूरु दक्षिण जिला के बिडदी में स्थित एक निजी रिसॉर्ट में स्थानांतरित कर दिया था।

इसरो isro

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)
द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)
निर्माण एवं रखरखाव प्रभाग
80 फीट रोड, एचएएल द्वितीय चरण, बेंगलूरु फ़ोन: 080-25037203/080-25037214

दिनांक: 09.10.2025

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं

कार्य का नाम :	एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलूरु में मलबा, कूड़ा-कचरा, कपास की मुरम, सूखे पत्ते, निर्माण सामग्री, पत्थर की पटियाएँ और पेड़ों के सड़े हुए तने हटाने का कार्य
निविदा सूचना क्रमांक	एलपीएससी)/सीएमडी/03/3016/सी/एमआई/025/2025-26 दिनांक 09.10.2025
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 12.79 लाख
पूरा करने की अवधि	12 महीने
डाउनलोड करने की अवधि	09.10.2025 से 21.10.2025 तक
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 25,580/-

बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं। पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

ह/- समूह प्रमुख सीएमडी, एलपीएससी(बी)

बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो पाकिस्तानी नागरिकों को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राजस्थान के बाड़मेर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक नाबालिग समेत दो पाकिस्तानी नागरिकों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों कथित तौर पर सेड़वा सेक्टर में सीमा पार करके भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, बीएसएफ की 83वीं बटालियन के जवानों ने जानपालिया सीमा चौकी पर स्थित जीरो पॉइंट पर भील समुदाय के कानजी (47) और सात साल के एक लड़के को हिरासत में लिया। लड़का संभवत: कानजी का बेटा है।

बाड़मेर के जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने कहा, दोनों संदिग्धों को बीएसएफ कर्मियों ने दोनों देशों के बीच बिना तारबंदी वाले क्षेत्र से भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते समय रोका। उन्हें भारतीय तारबंदी पार करने से पहले ही पकड़ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि दोनों व्यक्ति पाकिस्तान के थारपारकर जिले के हेमरी गांव के रहने वाले हैं और दोनों कथित तौर पर भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे। व्यक्ति की बहन का एक रिश्तेदार शादीशुदा है और भारत में रह रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआती पूछताछ के बाद बीएसएफ ने दोनों को आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां उनके इरादे और उनकी पृष्ठभूमि की पुष्टि के लिए उनसे संयुक्त रूप से पूछताछ कर रही हैं।

हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या दलित शोषण का नतीजा : जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । कांग्रेस नेता टीकाराम जूली ने हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के आत्महत्या करने के मामले को दलित शोषण का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि सीनियर आईपीएस अधिकारी को दलित होने की वजह से अपने समकक्ष अधिकारियों से जातिगत भेदभाव का सामना करना पड़ रहा था। हद तो तब हो जाती है जब उनके शीर्ष अधिकारी उनके परिश्रम को अनदेखा कर उन्हें कई प्रकार की सुविधाओं से वंचित कर देते हैं। अंत में उनके लिए हालात ऐसे कर दिए गए कि उन्हें आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह सोचने वाली बात है कि दलित समुदाय से आने वाला एक व्यक्ति आईपीएस जैसा शीर्ष अधिकार बन जाता है। इसके बावजूद उन्हें दलित होने की वजह से शोषण का सामना करना पड़ा। यह इस देश का दुर्भाग्य है कि अभी तक हमारे बीच में जातिगत व्यवस्था मौजूद है। जिस तरह से सीनियर आईपीएस ऑफिसर को उसके दलित होने की वजह से परेशान किया गया, उसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। इस घटना की जितनी निंदा करें, उतनी कम है।

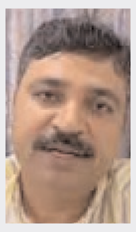

कांग्रेस नेता टीकाराम जूली ने इस मामले में हरियाणा की भाजपा सरकार को भी घेरा और कहा कि मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि इस मामले में सीधे तौर पर प्रदेश की भाजपा सरकार भी शामिल है। इस पूरे मामले में भाजपा की भी भूमिका है। मैं इस मामले की न्यायिक जांच की मांग करता हूं। निश्चित तौर पर जो भी इस मामले में संलिप्त हैं, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के साथ हुए अपमानजनक व्यवहार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य की बात है कि इस देश में जब एक दलित समुदाय से आने वाला व्यक्ति चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के पद पर पहुंच जाता है, तो उसके साथ इस तरह का अपमानजनक व्यवहार किया जाता है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सरकार आमजन की समस्या निराकरण एवं लाभान्वित करने कृत संकल्पित : झाबर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्वायत्त शासन एवं नगरीय विकास राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं का निराकरण कर पात्रजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए कृत संकल्पित है। सेवा शिविरों के माध्यम से घर बैठे ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आमजन को विशेष छूट देते हुए समस्याओं का निराकरण कर राहत प्रदान की जा रही है। स्वायत्त शासन मंत्री गुरूवार को शहरी सेवा शिविर के तहत भरतपुर के जवाहर नगर स्थित अम्बेड़कर सामुदायिक भवन में आयोजित समारोह में आमजन को आवासीय पट्टे एवं विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्रों का वितरण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में आमजन को त्वरित लाभ देते हुए समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जा रहा है। प्रदेश विकासशील से विकसित राजस्थान की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन को मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं का निराकरण एवं विभिन्न योजनाओं में पात्रता के आधार पर लाभ प्रदान करते हुए घर बैठे राहत दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पारदर्शिता रखते हुए सभी आवेदनों को ऑनलाईन किया गया है जिससे आमजन ई-मित्र अथवा अपने स्मार्टफोन के माध्यम से भी घर बैठे आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान मूलभूत सुविधाओं से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण कर बिजली, पानी, रोशनी एवं सफाई से सम्बन्धित कार्य भी वार्डों में जाकर किये जा रहे हैं।

स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि सेवा शिविरों में कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित नही रहेगा, आवश्यकता पड़ने पर 17 अक्टूबर के बाद प्राप्त आवेदनो को ऑनलाईन करते हुए सम्बन्धित निकायों को समयबद्धता के साथ निराकरण के निर्देश दिये जाऐंगे। उन्होंने कहा कि दीपावली पूर्व प्रदेश भर में सभी निकायों में रोशनी एवं सफाई व्यवस्था विशेष रूप से करने के निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने पट्टा प्राप्त करने वाले एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वस्थ एवं स्वच्छ प्रदेश के निर्माण में सक्रियता से भागीदारी निभाते हुए अपने आस-पास गंदगी नहीं होने दें। उन्होंने एक पेड़ माँ के नाम अभियान में भागीदार बनने का आह्वान किया।

जिला कलक्टर कमर चौधरी ने कहा कि सेवा शिविरों में किसी भी पात्र व्यक्ति को निराश नहीं होने दिया जाएगा। पात्रता के आधार पर पारदर्शिता से लाभ प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार की मंशा के अनुरूप शिविरों में जनसमस्याओं का मौके पर निराकरण कर आमजन को राहत दी जाएगी। आयुक्त नगर निगम श्रवण विश्नोई ने शिविरों के दौरान सरकार के द्वारा दी गई विशेष छूट से आमजन को मिल रही राहत के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आवासीय पट्टे, ऋण योजनाओं की स्वीकृति एवं समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। उन्होंने शिविरों की प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर आयुक्त बीडीए कनिष्क कटारिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राजस्थान जन विश्वास विधेयक का प्रारूप शीघ्र तैयार करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोक सेवक होने के नाते वे आमजन के विषयों का संवेदनशीलता के साथ त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी सामान्य नागरिकों से मिलने के लिए अपने कार्यालय समय में एक निश्चित अवधि का निर्धारण करें। आमजन की परेशानियों को सुनें और धैर्य, विनम्रता एवं व्यवहार कुशलता के साथ उनकी समस्याओं का समाधान करें। पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में आयोजित कमेटी ऑफ़ सेक्रेटरीज (सीओएस) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने राजकीय कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता एवं कार्मिकों की जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को नियमित रूप से अपने अधीनस्थ कार्यालयों का औचक निरिक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रदेश के पात्र लाभार्थियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कर राहत प्रदान करें।

उन्होंने सार्वजनिक स्थानों, अस्पतालों एवं राजकीय कार्यालयों में नियमित साफ़ सफाई, कचरा निस्तारण एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सम्बंधित विभागों के अधिकारी प्रदेश में आयोजित किये जा रहे शहरी एवं ग्रामीण सेवा शिविरों में हुए कार्यों का स्वयं निगरानी एवं मूल्यांकन करें। पंत ने बैठक में संपर्क पोर्टल एवं उझत्रऋ-चड (केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली) पर दर्ज परिवादों के निस्तारण की विभागवार समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग लम्बित अधिनियम तथा नीतियों को वित्त तथा विधि विभाग के साथ मिलकर शीघ्रता से लागू करने की दिशा में काम करें। साथ ही इस संबंध में प्रगति को सीएमआईएस पोर्टल पर अद्यतन करें। उन्होंने विभिन्न विभागों की नवीन नीतियों तथा अधिनियमों के निर्माण की घोषणाओं एवं संशोधनों की प्रगति की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि अधिकारी प्रमुख केन्द्रीय तथा राज्य प्रवर्तित योजनाओं के लिए आवंटित राशि का समयबद्ध व्यय सुनिश्चित करें तथा अपने विभाग की योजनाओं पर व्यय की नियमित समीक्षा करें। साथ ही केन्द्रीय योजनाओं के उपयोगिता व पूर्णता प्रमाण पत्र समय से भेजना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने विभागों को प्राप्त शिकायतों, पत्रों तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त पत्रों, के समयबद्ध निस्तारण के लिए भी निर्देश दिये।

पंत ने राज्य में राजस्थान जन विश्वास विधेयक लागू करने की कार्य योजना पर चर्चा की तथा इसके प्रारूप निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन विभागों द्वारा प्रस्तावित प्रारूप अब तक नहीं भेजा गया है, वे शीघ्र भिजवाएं।

उन्होंने सभी विभागों में नवीन भर्तियों की स्थिति, नियमित रूप से डीपीसी की बैठक के आयोजन, नवीन नीतियों एवं अधिनियम बनाए जाने संबंधी घोषणाओं की प्रगति, सितम्बर माह की कुल लंबित एवं निस्तारित ई- पत्रावलियों की स्थिति, ई- डाक एवं अधिकारियों के औसत फाइल निस्तारण समय के संबंध में भी विस्तार से समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा- निर्देश दिये।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी अखिल अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता श्रीमती अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती श्रेया गुहा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर आत्माराम सावंत, प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव आयोजना भवानी सिंह देथा,शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव पंचायती राज डॉ. जोगा राम सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट

जयपुर। बदले मौसम व उत्तरी हवाओं के असर से राजस्थान में बीते चौबीस घंटे में तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बृहस्पतिवार सुबह तक, बीते 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान अधिकतम तापमान बाड़मेर में 34.2 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान पाली में 15.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में न्यूनतम व अधिकतम तापमान में सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम केंद्र का कहना है कि अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 4-6 डिग्री तक की वृद्धि होने और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होने की संभावना है। राज्य के अधिकतर भागों में आगामी दो सप्ताह के दौरान मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

कोटा में 'पशु बलि' की घटना सामने आई, प्राथमिकी दर्ज

कोटा। राजस्थान के कोटा में कथित पशु बलि की घटना सामने आई है, जिसके बाद तीन-चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह मामला तब सामने आया जब कथित तौर पर इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हुआ, जिसमें एक बछड़े का सिर कलम करते हुए दिखाया गया था। वीडियो के आधार पर पशु अधिकार समूह पेटा ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि पुलिस ने सोमवार को तीन-चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

रबी फसल सिंचाई के लिए अंतिम छोर तक पहुंचेगा पानी : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल संसाधन विभाग मंत्री सुरेश सिंह रावत गुरुवार को दूदू दौरे पर रहे। उन्होंने क्षेत्र के छापरवाड़ा बांध का निरीक्षण किया। रावत ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बांध से जुड़ी नहरों की मरम्मत कार्यों को गुणवत्तापूर्वक और शीघ्र पूर्ण करवाया जाए। साथ ही, नहरों का संचालन समय पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्षेत्र में सतत निगरानी रखें ताकि किसानों का उनके हक का पानी समयबद्ध मिल सके।

रावत ने कहा कि विभाग आगामी रबी फसल (सिंचाई वर्ष 2025-26) में किसानों तक नहरों के जरिए अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए विभागीय उच्चाधिकारी बांध और नहरों के सुदृढ़ीकरण कार्यों पर सतत निगरानी कर रहे हैं। रावत ने जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों से सीधा संवाद कर विकास कार्यों की जानकारी ली।

जल संसाधन मंत्री ने बताया कि दूदू क्षेत्र में 40 करोड़ रुपए की लागत से सिंचाई प्रबंधन और एनीकट मरम्मत के विभिन्न कार्य प्रगतिरत हैं। इनसे भी क्षेत्र में सिंचाई तंत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को छापरवाड़ा बांध के सुदृढ़ीकरण के लिए सर्वे कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस मानसून राज्य में अच्छी बारिश से प्रदेश के बांध ओवरफ्लो हुए है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा।अधिशाषी अभियंता ने छापरवाड़ा बांध के कैचमेंट और कमांड एरिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि छापरवाड़ा बांध एक वृहद बांध है, जिसकी कुल भराव क्षमता 17 फीट (1236 एमसीएफटी) है। इसका कमांड एरिया 11741 हैक्टेयर है। छापरवाड़ा बांध 2 वर्षों से लगातार ओवरफ्लो हो रहा है। इस बांध की चार मुख्य नहरें हैं, जिनसे दूदू, मौजमाबाद, फागी और मालपुरा तहसील के 52 गांवों के काश्तकारों की लगभग 60 हजार बीघा भूमि की सिंचाई होती है। इस दौरान जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता रमाशंकर शर्मा, अधिशाषी अभियंता अनिल थालोड, सहायक अभियंता शंकर लाल रोज सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सिरप की सियासी कड़वाहट, राजस्थान के मंत्री ने कंपनी को दी क्लीनचिट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कफ सिरप में जहरीले केमिकल से 24 मासूमों की मौत के मामले में जहां मध्य प्रदेश पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कंपनी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं पड़ोसी राज्य राजस्थान की भाजपा सरकार इस गंभीर मामले में कंपनी को क्लीनचिट देती दिख रही है। यह विरोधाभासी कार्रवाई अब राजनीतिक तूल पकड़ चुकी है, जिसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान सरकार की कड़ी निंदा की है। बोले- राजस्थान में सरकार नाम की कोई चीज है ही नहीं।

बता दें कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा और बैतूल जिले में 'कोल्ड्रिफ' कफ सिरप पीने से 20 बच्चों की मौत हो गई थी। इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी के मालिक रंगनाथन को चेन्नई से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी सामने आई है कि रंगनाथन मासूमों की मौत के बाद से फरार था। जांच में यह खुलासा हुआ कि सिरप में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (उ्रळशींहूश्रशपश ॠश्रूलेश्र) की मात्रा तय सीमा से कई गुना ज्यादा थी, जिसके कारण बच्चों की किडनी फेल हो गई। घातक लापरवाही के बाद, राज्य सरकार ने तुरंत श्रीसन फार्मा के सभी उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा, सिरप लिखने वाले डॉक्टर प्रवीण सोनी को भी गिरफ्तार किया गया है, जिसकी जमानत याचिका अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एडीजे) ने खारिज कर दी है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने एसआईटी जांच की पुष्टि करते हुए कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। एक ओर जहां मध्य प्रदेश और अन्य राज्य कठोरतम कार्रवाई कर रहे हैं, वहीं राजस्थान के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने यह कहकर सबको चौंका दिया है कि बच्चों की मौत कफ सिरप की वजह से नहीं हुई है। मंत्री का यह बयान कंपनी को क्लीनचिट देने जैसा है, जबकि यह सिरप देशभर में चिंता का विषय बना हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राजस्थान में 'सरकार नाम की कोई चीज नहीं है'। गहलोत ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की बात तो छोड़िए, एमएलए और एमपी तक की सुनवाई नहीं हो रही है, ऐसे में जनता को राहत कैसे मिलेगी?

भाजपा ने विकास के हर क्षेत्र में कांग्रेस को छोड़ा पीछे : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भाजपा सरकार के 20 महीने पूरे होने पर सरकार की उपलब्धियों को लेकर वित्त आयोग अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा और विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस पर हमला बोलते हुए नेताओं ने कहा कि भाजपा ने जो कार्य 20 महीने में कर दिखाए, वे कांग्रेस सरकार 5 साल में भी नहीं कर पाई। उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि भाजपा सरकार ने विकास के हर क्षेत्र में कांग्रेस सरकार को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक 2 करोड़ 62 लाख खेतों की तारबंदी करवाई जा चुकी है, किसानों को मुफ्त बीज और किट वितरित की गई हैं और सहकारी बैंकों से दोगुने से ज्यादा ऋण दिए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में पिछली सरकार की तुलना में 15 गुना अधिक मकानों का निर्माण हुआ है। बिजली उत्पादन, सड़क निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं में तीन से चार गुना तेजी से काम हुआ है। बैरवा ने कहा कि कांग्रेस सरकार सिर्फ घोषणाओं और भाषणों तक सीमित रही, जबकि भाजपा सरकार ने धरातल पर जाकर काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा का विकास मॉडल जनता की उम्मीदों पर खरा उतरा है और हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजनाएं लागू की जा रही हैं। कानून व्यवस्था के मुद्दे पर अरुण चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में अपराध, अराजकता और पेपर लीक जैसे मामलों की भरमार थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद संगठित माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और अपराधों में गिरावट दर्ज की गई। चतुर्वेदी ने कुचामन में हुई एक घटना का हवाला देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने उसी दिन अधिकारियों के साथ बैठक कर त्वरित और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। चतुर्वेदी ने कांग्रेस के संगठन निर्माण अभियान को महज दिखावा बताते हुए आरोप लगाया कि पार्टी आज भी एक ही परिवार के इर्द-गिर्द सिमटी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जनता के बीच जाकर भरोसे के साथ काम किया है, जबकि कांग्रेस जनता से कट चुकी है। विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ ने भी कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार ने किसानों और निवेशकों के साथ विश्वासघात किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में निवेश का माहौल बना है और राइजिंग राजस्थान के तहत 5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर काम शुरू हो चुका है। ईआरसीपी परियोजना में 12,000 करोड़ रुपये के कार्य प्रगति पर हैं। साथ ही 5,000 मेगावाट बिजली उत्पादन कर किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 59 लाख वंचितों को शामिल किया गया है और 76 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है।

भारतीय संस्कृति का अपमान करने वालों को कभी 'धर्मनिरपेक्ष' कहा जाता था : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झांसी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि आजादी के बाद भारत में कुछ लोगों ने धर्मनिरपेक्षता के अर्थ को विकृत कर दिया और भारतीय परंपराओं और मूल्यों का मजाक उड़ाने वालों को 'सच्चा धर्मनिरपेक्ष' मान लिया।

आदित्यनाथ ने झांसी में अखिल भारतीय विद्या भारती शिक्षण संस्थान समूह की 36वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''आजादी के बाद धर्मनिरपेक्ष दिखने की होड़ मच गई। लोगों ने धर्मनिरपेक्षता को अपने-अपने तरीके से परिभाषित किया। जो लोग भारत की परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों की आलोचना या अपमान करते थे उन्हें ज्यादा धर्मनिरपेक्ष माना जाता था। इस मानसिकता ने देश में अलगाव और उग्रवाद का माहौल पैदा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों का महिमामंडन करने की संस्कृति आजादी के तुरंत बाद शुरू हुई। उन्होंने कहा, ''विद्या भारती जैसी संस्थाओं ने इस सोच के खतरे को पहचाना और बिना किसी सरकारी मदद के राष्ट्रीय और सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए काम किया।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने वाले 'अग्रणी' संगठनों में से एक होने के लिए विद्या भारती की प्रशंसा की। तुलसीदास को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, ''जिनके पास आस्था है, उन्हें ज्ञान भी प्राप्त होगा। अब मुझे बताइए कि जिस व्यक्ति में भारत के प्रति आस्था और उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान का अभाव है उससे यह कैसे उम्मीद की जा सकती है कि वह इस राष्ट्र को समझेगा या इसके मूल्यों के अनुरूप व्यवस्थाओं के निर्माण में योगदान देगा?'' आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 1947 की सरकार भारतीय लोकाचार के अनुरूप शिक्षा प्रणाली बनाने में विफल रही। बाद में 1952 में उसे गोरखपुर में सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के माध्यम से हासिल किया गया जिसने विद्या भारती के राष्ट्रव्यापी संजाल की नींव रखी।

राजद, कांग्रेस ने एसआईआर के खिलाफ राहुल गांधी के अभियान की कलई खोल दी है: भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता सूची के खिलाफ बिहार में राजद और कांग्रेस द्वारा एक भी अपील दाखिल नहीं किया जाना यह दर्शाता है कि राहुल गांधी का 'वोट चोरी' का आरोप और एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान) के खिलाफ उनका अभियान 'फ्लॉप शो' साबित हुआ है, जिसे उनके अपने गठबंधन ने खारिज कर दिया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप को 'खारिज' कर दिया है। यह बात बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा यह घोषणा करने के एक दिन बाद सही साबित हो गई है कि राज्य भर के जिला प्रशासनों को नई मतदाता सूची से हटाए गए या उसमें जोड़े गए नामों के खिलाफ एक भी अपील प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''इससे पता चलता है कि राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गांधी के अभियान की पोल खोल दी है। उन्होंने झूठा प्रचार किया और बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध किया। अब उनके अपने गठबंधन के कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें इस प्रक्रिया में कोई खामी नहीं मिली।

भंडारी ने अपनी पार्टी के इस आरोप को दोहराया कि राहुल गांधी के अभियान का उद्देश्य घुसपैठियों को बचाना था।

मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करना महत्वपूर्ण : कॉनराड संगमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मेघालय के मुख्यमंत्री एवं नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) अध्यक्ष कॉनराड संगमा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति बहाल होना बहुत जरूरी है।

मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर इंफाल हवाई अड्डे पर पहुंचे संगमा ने संवाददाताओं से कहा, ''लोगों से जुड़ना महत्वपूर्ण है। अगर हम जमीनी स्तर और लोगों से नहीं जुड़ते हैं तो कहीं न कहीं हम चूक रहे हैं। इसलिए हमारा विचार है कि हम लोगों तक पहुंचे और उनकी बात सुने। हम उन तक पहुंचना, उनकी बात सुनना और सुझाव लेना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री के साथ ही एनपीपी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने वाले संगमा ने कहा कि वह पार्टी नेताओं, हितधारकों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों और कुल मिलाकर मणिपुर के लोगों से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि वह राज्य में स्थिति का जायजा लेने, सभी हितधारकों के साथ बातचीत करने और यह देखने के लिए आए हैं कि हम हालात को कैसे सुधारें तथा मणिपुर में सामान्य स्थिति कैसे बहाल की जाए। मणिपुर की 60 सदस्यीय राज्य विधानसभा में एनपीपी के सात विधायक हैं। संगमा ने कहा, ''कई प्रयास किए गए हैं और कुछ ने परिणाम दिए हैं जबकि कुछ के अब तक फल नहीं मिले हैं। हमें उम्मीद है कि अधिक जुड़ाव और बातचीत के साथ हम मणिपुर में धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ेंगे।

संगमा ने कहा, ''एक पार्टी के रूप में हमारा प्रयास यह देखना है कि हम सामान्य स्थिति बहाल करने में किस प्रकार भूमिका निभा सकते हैं। हम मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल देखना चाहेंगे और उस सामान्य स्थिति का एक हिस्सा मणिपुर में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार देखना भी है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में काफ़ी हद तक कोई बड़ी घटना नहीं हुई है। हिंसा में कमी आई है। हालांकि यह पूरी तरह से ख़त्म नहीं हुई है। एनपीपी अध्यक्ष ने कहा, यह एक प्रक्रिया है और हमें उम्मीद है कि हम इसे आगे ले जा सकेंगे।

मथुरा में पांच करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में पुलिस ने पांच करोड़ रुपए से अधिक कीमत की हेरोइन बरामद की और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने आगरा की एएनटीएफ (मादक द्रव्य रोधी कार्य बल) इकाई के साथ मिलकर बुधवार रात नौहझील थाना क्षेत्र से स्कूटी सवार दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 1.045 किलोग्राम अवैध पदार्थ जब्त किया।

कुमार के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के सीलमपुर निवासी फैजान (32) और हरियाणा के गुरुग्राम निवासी वकार (34) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रहे हैं।

अंबेडकर, कांशीराम ने हमें सामाजिक न्याय का रास्ता दिखाया : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि भीमराव अंबेडकर, कांशीराम, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण और मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं ने सामाजिक न्याय का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा कि सपा पीडीए (पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों) पर आधारित सरकार बनाकर इस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहती है।

बृहस्पतिवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि पर आयोजित रैली में पार्टी अध्यक्ष मायावती की ओर से सपा पर करारा हमला किए जाने के बाद अखिलेश ने एक प्रेस वार्ता में कांशीराम के राजनीतिक सफर में सपा के सहयोग को याद किया। अखिलेश ने कहा, हम सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने और पीड़ितों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में पीडीए आधारित सरकार बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा, सपा, नेताजी (मुलायम) और हमारे साथियों के सहयोग से ही कांशीराम इटावा से सांसद बने थे। उस समय जब सांप्रदायिक राजनीति चरम पर थी, तब सपा और बसपा ही थीं, जो एकजुट होकर इसका मुकाबला कर रही थीं।

अखिलेश ने कहा कि मायावती के अलावा उन्होंने ही कांशीराम की प्रतिमा स्थापित करवाई थी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार के दौरान जब बसपा नेताओं ने स्मारक के रखरखाव पर सवाल उठाए थे, तो मैंने लखनऊ विकास प्राधिकरण को इसका रखरखाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। मायावती ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर लखनऊ में आयोजित रैली में सपा पर निशाना साधते हुए उसे दोगले लोगों की पार्टी कहा था। उन्होंने आरोप लगाया था कि सपा जब सत्ता में होती है, तो वह कांशीराम और बहुजन समाज के अन्य महापुरुषों को भूल जाती है, लेकिन जब वह सत्ता से बाहर हो जाती है, तो उसे ये ही महापुरुष याद आने लगते हैं। अखिलेश ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में लखनऊ में अंबेडकर और कांशीराम की याद में बनाए गए स्मारकों की हालत खराब हो गई है। उन्होंने कहा, खराब रखरखाव के कारण पत्थरों का रंग काला पड़ गया है। ऐसा भी हो सकता है कि भाजपा लखनऊ में इन स्मारकों की कीमती जमीन बेचने की कोशिश करे। अखिलेश ने कहा, भाजपा हमें गुलाम नहीं, बल्कि अपने लिए काम करने वाला मजदूर बनाना चाहती है। पीडीए में आधी आबादी (महिलाएं) भी शामिल हैं। हमारा दर्द और संघर्ष एक जैसा है। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर पुलिसकर्मियों की तैनाती में हेराफेरी करने और पिछड़े तथा दलित अधिकारियों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया।

जन सुराज ने 51 उम्मीदवार घोषित किए

प्रशांत किशोर राघोपुर से करेंगे प्रचार अभियान का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 51 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिनमें प्रमुख नाम भोजपुरी गायक रितेश रंजन पांडे का है। अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया कि पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर चुनाव लड़ेंगे या नहीं, हालांकि वह 11 अक्टूबर को राघोपुर से चुनाव प्रचार अभियान का आगाज करेंगे।

राघोपुर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव का विधानसभा क्षेत्र है।

जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह ने यहां एक संवाददाताओं से कहा, ''हम बहुत जल्द अन्य सीटों के लिए भी उम्मीदवारों की सूची जारी करेंगे। अगर उस सूची में किशोर जी का नाम मिलता है, तो इसका मतलब होगा कि वे चुनाव लड़ रहे हैं। यह बात बिल्कुल स्पष्ट है। किशोर जी 11 अक्टूबर को राघोपुर से पार्टी का चुनाव प्रचार अभियान शुरू करेंगे।

जिन प्रमुख उम्मीदवारों के नाम पहली सूची में शामिल किए गए हैं, उनमें लोकप्रिय भोजपुरी गायक रितेश रंजन पांडे शामिल हैं, जो रोहतास जिले के करगहर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

पार्टी द्वारा तृतीय लिंगी समुदाय से प्रीति किन्नर को गोपालगंज जिले की भोरे सीट से उम्मीदवार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री का नेतन्याहू की तारीफ करना शर्मनाक, फलस्तीन राष्ट्र को लेकर भी चुप्पी साधी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि गाजा के ताजा घटनाक्रम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सराहना करना शर्मनाक है क्योंकि नेतन्याहू गाजा में ''नरसंहार'' के लिए जिम्मेदार हैं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि एक स्वतंत्र और संप्रभु फलस्तीन राष्ट्र के भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री ने चुप्पी साध रखी है, जबकि भारत ने वर्ष 1988 में ही इसे मान्यता दे दी थी और अब तक 150 से अधिक देश मान्यता दे चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण पर हुए उस समझौते का बृहस्पतिवार को स्वागत किया जिसके तहत इजराइल और हमास ने गाजा में लड़ाई रोकने का फैसला किया है। मोदी ने कहा कि यह समझौता इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मजबूत नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री ने गाज़ा को लेकर नए घटनाक्रम का स्वागत किया और राष्ट्रपति ट्रंप की सराहना की। ऐसा करने की उनकी उत्सुकता आश्चर्यजनक नहीं है। लेकिन यह वास्तव में चौंकाने वाला, शर्मनाक और नैतिक रूप से घोर आपत्तिजनक है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू की बिना शर्त प्रशंसा की गई, जिन्होंने पिछले 20 महीनों से गाज़ा में नरसंहार छेड़ रखा है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक स्वतंत्र और संप्रभु फ़लस्तीन राष्ट्र के भविष्य पर भी पूरी तरह चुप्पी साध रखी है, जिसे भारत ने नवंबर 1988 में मान्यता दी थी और जिसे अब तक 150 से अधिक देश मान्यता दे चुके हैं।

रमेश का कहना है, ''इसी तरह प्रधानमंत्री मोदी ने क़ब्ज़े वाले पश्चिमी तट में इजराइली बस्तियों के निरंतर विस्तार पर भी कुछ नहीं कहा है। कांग्रेस ने पिछले सप्ताह आरोप लगाया था कि ट्रंप को खुश करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाजा शांति प्रस्ताव का समर्थन किया, लेकिन गाजा में नरसंहार पर वह चुप रहे जो ''नैतिक कायरता है।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच का संचालन करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले की पुलिस ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच का संचालन करने वाले एक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकेश कक्कड़ और अंकित कुमार के रूप में की गई है। उन्होंने बताया कि गिरोह से जुड़े 700 बैंक खातों में जमा लगभग एक करोड़ रुपए की राशि भी फ्रीज कर दी गई है।

पुलिस अधीक्षक (संभल) कृष्ण कुमार बिश्नोई के मुताबिक, मुकेश और अंकित के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया गया था तथा दोनों को बैंकॉक से लौटने के बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया, यह गिरोह बीओबी777 नाम के फ्रैंचाइजी मॉडल के तहत अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच का संचालन कर रहा था, जिसके आउटलेट भारत के कई हिस्सों में मौजूद हैं। दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में जय कक्कड़ और आदित्य गुप्ता नाम के दो व्यक्ति ऐसे ही एक आउटलेट का संचालन कर रहे थे।

निर्वाचन आयोग के अफसर बंगाल सरकार के अधिकारियों को धमका रहे हैं : ममता

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के अधिकारी उनकी सरकार के अधिकारियों को धमका रहे हैं और विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले ही ''राजनीतिक प्रभाव के तहत काम'' कर रहे हैं।

बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर ''आग से खेलने'' का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि मतदाता सूची से छेड़छाड़ का कोई भी प्रयास ''लोकतंत्र के साथ विश्वासघात'' होगा। पश्चिम बंगाल सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान बनर्जी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने आश्चर्य जताया कि राज्य का दौरा करने वाले निर्वाचन आयोग के अधिकारी सरकारी अधिकारियों को कैसे तलब कर सकते हैं, जबकि चुनाव की तारीखों की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। राज्य में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। बनर्जी ने दावा किया, यह एसआईआर वैसा नहीं है जैसा दिखता है।

हर परिवार में सरकारी नौकरी सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाएगी हमारी सरकार: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी के नेतृत्व वाला 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन बिहार में सत्ता में आता है तो राज्य के हर परिवार में कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी सुनिश्चित करने के लिए ''कानून'' लाया जाएगा।

तेजस्वी ने सरकारी आवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''नई सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर यह कानून बनाकर लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा, '' राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बीते 20 वर्षों में युवाओं को रोजगार देने में विफल रहा। हम सत्ता में आने के 20 दिनों के भीतर यह अधिनियम लाएंगे और 20 महीनों के भीतर इसे पूरी तरह लागू कर देंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भी मैंने सरकारी नौकरियों का वादा किया था। मेरी सरकार के दौरान पांच लाख नौकरियां दी गईं। आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर मुझे पूरा पांच साल का कार्यकाल मिला होता तो क्या कुछ संभव हो सकता था।

महिला बंदी अपने पतियों के साथ जेल में मनाएंगी करवा चौथ : महिला आयोग

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग ने घोषणा की कि राज्य भर की विभिन्न जिला जेलों में बंद महिला कैदी 10 अक्टूबर को अपने पति के साथ करवा चौथ मना सकेंगी। आयोग ने यहां एक आधिकारिक बयान में कहा कि यह निर्णय उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग (संशोधन) अधिनियम 2013 की धारा नौ के तहत लिया गया है। यह प्रावधान आयोग को यह सुनिश्चित करने का अधिकार देता है कि महिलाओं को कारावास में भी उनके भावनात्मक और पारिवारिक अधिकारों से वंचित न किया जाए। आयोग की अध्यक्ष बबिता सिंह चौहान ने कहा कि राज्य के सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे पात्र महिला कैदियों को पति की उपस्थिति में त्यौहार मनाने की अनुमति देने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

अगर आपकी टीम की नींव टी20 पर टिकी है तो उसे टेस्ट में संघर्ष करना पड़ेगा : गिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि टेस्ट उत्कृष्टता पर आधारित क्रिकेट व्यवस्था मजबूत एकदिवसीय और टी20 टीमें तैयार करेगी लेकिन इसके विपरीत स्थिति नहीं होगी। उन्होंने हालांकि इस बहस को दरकिनार कर दिया कि क्या वेस्टइंडीज जैसी टीम के संघर्ष को देखते हुए टेस्ट में दो स्तरीय प्रणाली की आवश्यकता है। पिछले दो दशक में कैरेबियाई क्रिकेट में काफी बदलाव आया है और टी20 लीग की सफलता का मतलब है कि इसकी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं ने वित्तीय स्थिरता के लिए फ्रीलांस (राष्ट्रीय टीम के साथ अनुबंध करने की जगह दुनिया भर की लीग में खेलना) का रास्ता चुना है जिससे लाल गेंद के खिलाड़ियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय और तेजी से गिरावट आई है।

अहमदाबाद में पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रन से हराने के बाद गिल से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि अब दो स्तरीय प्रणाली का समय आ गया है तो भारतीय कप्तान ने वेस्टइंडीज का नाम लिए बिना एक मजबूत नींव के महत्व के बारे में बात की। गिल ने दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मुझे लगता है कि यह आईसीसी का फैसला होगा कि दो स्तरीय प्रणाली होनी चाहिए या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि एक क्रिकेट खेलने वाले देश के तौर पर अगर आपका लाल गेंद का आधार बहुत मजबूत है तो आप एकदिवसीय और टी20 में अपने आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, किसी भी टीम को देखें। अगर टेस्ट टीम बहुत अच्छी हैं तो यह स्वाभाविक है कि आपकी एकदिवसीय और टी20 टीम भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

गिल ने कहा, ''मुझे नहीं पता, हो सकता है कि उनके (वेस्टइंडीज) खिलाड़ियों का ध्यान टी20 और लीग पर अधिक हो। इसलिए अगर आपका ध्यान उसी पर है और आप खेल के आधार को भूल जाते हैं तो किसी भी देश का संघर्ष वहीं से शुरू होता

गिल का मानना है कि भारतीय क्रिकेट प्रणाली अपने ढांचे और स्पष्ट प्राथमिकताओं के साथ यहीं पर उभर कर सामने आई है। उन्होंने कहा, ''अगर आप टेस्ट प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो स्वाभाविक है कि एकदिवसीय और टी20 में भी आपकी टीम अपने आप अच्छी होगी। अगर आपके पास अच्छा आधार है तो आपके पास अच्छे विकल्प होंगे।

गिल को एकदिवसीय कप्तान बनाना उचित फैसला : गांगुली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने शुभमन गिल को भारत की एकदिवसीय टीम की कप्तानी सौंपने के फैसले का समर्थन करते हुए बृहस्पतिवार को इसे 'उचित फैसला' बताया।

गांगुली ने कहा कि रोहित शर्मा को एकदिवसीय कप्तान के पद से हटाने का फैसला संभवतः चैंपियन्स ट्रॉफी और टी20 विश्व कप विजेता कप्तान के साथ सलाह-मशविरा करने के बाद किया गया होगा। टेस्ट कप्तान के रूप में गिल की पहली शृंखला में भारत ने इंग्लैंड में पांच मैच की शृंखला ड्रॉ कराई थी। गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, ''मुझे लगता है कि यह रोहित के साथ सलाह-मशविरा करके किया गया है... मुझे नहीं पता कि अंदर क्या है। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक उचित फैसला है। रोहित खेलते रह सकते हैं और इस बीच आप एक युवा कप्तान को तैयार करते रह सकते हैं। इसलिए मुझे इसमें कोई समस्या नहीं दिखती। भारत 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में तीन एकदिवसीय मैच खेलेगा जिसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैच की टी20 शृंखला खेली जाएगी। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति का यह फैसला दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप को देखते हुए भविष्य की ओर भी इशारा करता है जब रोहित 40 साल के हो जाएंगे और विराट कोहली 38 साल के।

गांगुली ने कहा, ''मुझे यकीन है कि रोहित से बात की गई होगी। इसलिए मुझे नहीं पता कि यह 'बर्खास्तगी' है या कुछ और। मुझे यकीन है कि यह आपसी बातचीत होगी क्योंकि रोहित एक बेहतरीन कप्तान रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले दो वर्ष में उन्होंने टी20 विश्व कप जीता है। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी जीती है इसलिए रोहित शर्मा के लिए प्रदर्शन कोई मुद्दा नहीं है।

सुविचार

इस दुनिया में किसी के साथ खुद की तुलना मत करो यदि आप ऐसा करते हैं, तो आप खुद का अपमान कर रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भोगवाद का भंवर

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव-इन रिलेशनशिप के बारे में जो टिप्पणी की है, उस पर युवाओं को जरूर ध्यान देना चाहिए। आजकल 'बिन फेरे, संग तेरे' को आधुनिकता से जोड़कर देखा जाने लगा है। इसे सही ठहराने के लिए कानूनी नजरिए से तर्क दिए जा रहे हैं। लिव-इन रिलेशनशिप की ओर आकर्षित होने वाले युवाओं का कहना है कि 'परंपरागत विवाह व्यवस्था में इतनी जटिलताएं आ चुकी हैं कि अब यही सहारा है... अपनी पसंद के साथी संग रहें और जब अनबन हो जाए तो अपने रास्ते अलग कर लें!' हालांकि इस 'व्यवस्था' में भी चीजें इतनी सरल नहीं होती हैं। चूंकि अभी भारत में इसका ज्यादा प्रसार नहीं हुआ है, इसलिए युवाओं को इसका एक ही पहलू दिखाई दे रहा है। कालांतर में इसका दूसरा पहलू भी नजर आएगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है। हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जब लिव-इन पार्टनरों में मनमुटाव और झगड़े की नौबत आई तो परिणाम बहुत भयानक निकले। ऐसी स्थिति में माता-पिता और रिश्तेदार समझाइश करने नहीं आते, क्योंकि साथ रहने का फैसला महिला-पुरुष ने अपनी मर्जी से लिया था। प्राय: माता-पिता तो ऐसे संबंधों के खिलाफ होते हैं। उन्हें दांपत्य जीवन का अनुभव होता है, इसलिए वे जानते हैं कि गृहस्थी कोरे शारीरिक आकर्षण से नहीं चलती। इसके लिए बहुत त्याग करने पड़ते हैं। जब लिव-इन रिलेशनशिप में दरार आ जाती है तो दोनों में से सबल पक्ष दूसरे से बदला लेने को आमादा हो जाता है। जिन्हें कुछ महीने/साल पहले एक-दूसरे में खूबियां नजर आती थीं, उन्हें खामियां ही खामियां दिखाई देने लगती हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप के कई मामले मुकदमेबाजी तक चले जाते हैं। उनमें शोषण, धोखा, उत्पीड़न, दुष्कर्म जैसे आरोप लगाकर दूसरे पक्ष को दंडित करने की मांग की जाती है। इस साल मार्च में एक ऐसा मामला सुर्खियों में रहा था, जिसमें महिला ने अपने लिवइन पार्टनर पर शादी का झूठा वादा कर दुष्कर्म का आरोप लगाया था। वह महिला लगभग 16 वर्षों से उस व्यक्ति के साथ रह रही थी। उसकी याचिका को उच्चतम न्यायालय ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि दोनों पक्ष बहुत लंबे समय तक सहमति से एक साथ रहे थे। वहीं, महिला के आरोपों से यह साबित नहीं हुआ कि शुरुआत से ही व्यक्ति ने धोखा देने का इरादा रखा था। इसी तरह, महाराष्ट्र में ठाणे के जिला न्यायालय ने एक 36 वर्षीय व्यक्ति को दुष्कर्म के मामले में बरी करते हुए कहा था कि आरोपी और शिकायतकर्ता महिला लिव-इन रिलेशनशिप में थे और उनका रिश्ता दुष्कर्म की परिभाषा में नहीं आ सकता। एक और मामले में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि यदि दो सक्षम वयस्क कुछ वर्षों तक सहमति से लिवइन में रहते हैं तो मान लिया जाएगा कि उन्होंने इस तरह की सहमति पूरी तरह स्वेच्छा से दी है...। लिव-इन रिलेशनशिप के दुष्परिणाम यूरोप भुगत रहा है। उसे स्वतंत्रता और उच्छृंखलता का अंतर समझ में आ रहा है। वहां रिश्तों में घटते विश्वास के कारण परिवार टूट रहे हैं। इससे अकेलापन बढ़ रहा है। दुर्भाग्य से, भारत में कुछ लोग ऐसे जीवन को आदर्श समझ रहे हैं, जिसके मूल में भोगवाद है। वहीं, यूरोप में लोग भारतीय संस्कारों की महत्ता को स्वीकार कर रहे हैं। उन्हें यह जानकर आश्चर्य होता है कि भारत में संयुक्त परिवार होते हैं, यहां विवाह को जन्म-जन्म का पवित्र बंधन समझा जाता है! ऐसी महान व्यवस्था को छोड़कर लिव-इन रिलेशनशिप को अपनाने से जो दुष्परिणाम होंगे, वे संबंधित व्यक्ति के साथ ही समाज को भी भुगतने होंगे। इससे दूर रहने में ही कल्याण है।

सामयिक

ज़रूरी है शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

हम संसार के सबसे युवतर देशों में एक हैं। अगले डेढ़ दशक के बीच विकसित और अमीर देशों की कामकाजी जनसंख्या में चार प्रतिशत तक गिरावट आएगी, वहीं अपने देश में उत्पादक आयुवर्ग के लोगों की संख्या में बीस से पच्चीस प्रतिशत बढ़ोत्तरी होगी। यह हमारे लिए एक बड़ा अवसर हो सकता है, बशर्ते युवा आवश्यक कौशल और ज्ञान से इसका सही इस्तेमाल कर सकें। मोदी सरकार का कौशल पर खास फोकस है। इसके लिए एक नए 'कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय' का गठन किया गया है। कौशल विकास की नीति के अंतर्गत आईटीआई जैसे संस्थानों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में कई दूसरे देश भी हमें अपना सहयोग दे रहे हैं। शिक्षा देश के विकास की नींव होती है, विशेषकर प्राथमिक शिक्षा! शिक्षा से हम उपलब्ध अवसर का लाभ लेने में समर्थ होते हैं। इसलिए स्वतंत्रता के पश्चात शिक्षा सरकारों के केन्द्रीय चिंतन में उपस्थित रही है। समय-समय पर शिक्षा को सशक्त और गुणवत्तापूर्ण बनने के लिए कई समितियों और आयोगों का गठन किया जा चुका है। किन्तु आर्थिक कारणों या फिर मतभेद की वजह से इनके सुझावों पर यथोचित अमल नहीं हुआ।

परिणामतः शिक्षा जमीनी स्तर पर सशक्त नहीं बन पायी, बल्कि एक विरोधाभाष की स्थिति बनती चली गई। आज की तारीख में आइसीटी यानी इनफार्मेशन कम्यूनिकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी, की विशेषज्ञता में भारतीय युवाओं की वैश्विक धाक है। आईआईटी के होनहार बच्चे अपनी प्रखर मेधा और उपलब्धियों की बदौलत निरंतर लाइम लाइट में रहते हैं। इसके विपरीत हर साल आने वाली एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन की रिपोर्ट बताती है कि देश में पढ़ाई-लिखाई का बुनियादी स्तर हताश करने वाला है। कक्षा 8 के बच्चे अंग्रेजी के सामान्य वाक्य पढ़ने में लड़खड़ा जाते हैं। बच्चों में गणित अब भी हौवा बना हुआ है। कक्षा 5 के 25 प्रतिशत बच्चे दूसरी कक्षा की हिन्दी भाषा की किताब नहीं पढ़ पाते हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में यह धुर कंट्रास्ट वाली स्थिति आखिर क्यों? यह सिर्फ बुद्धिलब्धि का खेल नहीं है। बच्चों में बुद्धिलब्धि का स्तर अधिक या कम हो सकता है, किन्तु धनाढ्य या निर्धन वर्ग अथवा ग्रामीण या शहरी क्षेत्र के बच्चों में इसके कम या अधिक होने की बात गलत है। सुपीरियर श्रेणी यानी 110+बुद्धिलब्धि का बच्चा जो सफलता प्राप्त कर सकता है, वह लक्ष्य परिश्रम करके औसत श्रेणी यानी 90+ बुद्धिलब्धि वाला बच्चा भी हासिल कर सकता है। सम्पूर्ण बच्चों का 70 प्रतिशत बच्चे इसी संवर्ग के होते हैं। उचित शैक्षिक निर्देशन, प्रेरणा और प्रोत्साहन से इन्हें सफलता की ऊंची मंजिल तक पहुंचाया जा सकता है। यही नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण निम्न वर्ग के शहरी, ग्रामीण और सुदूर पिछड़े क्षेत्र के बच्चे बड़ी उपलब्धियां प्राप्त करने से बँचित रह जाते हैं। इसका नतीजा यह है कि जो जन सांख्यकीय अवसर देश के पक्ष में है, उसका सम्पूर्ण उपयोग नहीं हो पा रहा है। उद्यमिता के राष्ट्रीय विमर्श में प्राथमिक शिक्षा और कौशल विकास के अन्तर्सम्बन्धों पर फोकस आवश्यक है। प्राथमिक शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाए बिना युवाओं के कौशल संवर्द्धन का लक्ष्य नहीं प्राप्त हो सकता है। इसलिए शिक्षा में निवेश और ढांचागत बदलाव पर ध्यान देना होगा। उद्यमिता के क्षेत्र में चीन आगे बढ़ा तो इसके पीछे शिक्षा में उसका भारी-भरकम निवेश है। सन 1997 से चीन ने शिक्षा में पहले की तुलना में तीन गुना अधिक खर्च करना शुरू किया था।

शिक्षा में निवेश यहाँ भी बढ़ा है। बच्चों के लिए मुफ़्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू है। छात्रों को मुफ़्त किताबें, गणवेश, मीनू के अनुसार मध्यान भोजन दिया जा रहा है। टीवी पर शैक्षिक कार्यक्रम के साथ उन्हें कम्प्यूटर की शिक्षा देने का भी प्रयास चल रहा है। कोशिशें अच्छी हैं, किन्तु कमियां अभी बहुत हैं। अभी सारे बच्चे स्कूल में नामांकित नहीं हैं। श्रमिक वर्ग के कुछ बच्चे स्कूल के बजाय घर में छोटे भाई-बहनों की देखभाल करते या बकरियाँ चराते दिख जाते हैं।

प्राथमिक शिक्षा में पाठ्यक्रम की एकरूपता पर ध्यान नहीं दिया गया है। यहाँ शिक्षा के कई तरह के स्कूल हैं-परिषदीय विद्यालय, नगरपालिका के स्कूल, शिशुमन्दिर, मदरसा, मिशनरी कान्वेंट, गैर मिशनरी कान्वेंट, नवोदय विद्यालय आदि! इनके पाठ्यक्रम और व्यवस्थाएं अलग हैं। विभिन्न प्रदेशों के कुछ स्थानीय आग्रह पाठ्यक्रम के लिए हो सकते हैं। बाकी अधिकतम एकरूपता जरूरी है। 'नई शिक्षा नीति-2020' के अनुसार प्राथमिक शिक्षा का माध्यम हिन्दी एवं प्रादेशिक भाषा होनी चाहिए। मदरसा में उर्दू हो सकती है, किन्तु पाठ्यक्रम अलग नहीं होना चाहिए। वास्तव में पाठ्यक्रम छात्रों में मूल्यों का विकास करता है। देश के बच्चे अगर तीन-चार व्यवस्थाओं और पाठ्यक्रम के जरिए पढ़ाए जाएंगे तो उनकी दृष्टि, जीवन मूल्य, राष्ट्रीय चेतना और व्यवहार में भी भिन्नता होगी। ऐसी स्थिति में सारे बच्चे समान भाव से राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक बदलाव, उद्यमिता संवर्द्धन में एक स्तर पर कैसे खड़े हो सकेंगे? बात उद्यमिता की हो या कोई और, प्राथमिक शिक्षा को बुनियाद में रखकर ही होनी चाहिए। विगत तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त निवेश और गुणवत्ता संवर्द्धन के प्रयास हुए हैं, किन्तु पाठ्यक्रम और व्यवस्था की एकरूपता पर ध्यान नहीं दिया गया है। इस सम्बन्ध में किया गया प्रयास निश्चय ही शिक्षा की बुनियाद को मजबूत आधार देने में सफल होगा।

चिंतन

बदलते भारत की तस्वीर

विभूति बुपक्या

भारत अब तक दुनिया से 600 से अधिक सांस्कृतिक धरोहरें वापस ला चुका है, जिनमें 559 केवल अमेरिका से मिली हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत अपनी सांस्कृतिक अस्मिता को लेकर पहले से कहीं अधिक सजग हुआ है। देश में लगभग एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियां हैं, जो ताड़पत्र, भोजपत्र, ताम्रपत्र, वस्त्र और चर्मपत्र जैसे विविध माध्यमों पर सुरक्षित हैं। ये ग्रंथ न केवल ज्ञान के स्रोत हैं, बल्कि भारतीय सभ्यता की आत्मा हैं। दुर्भाग्यवश, विदेशी आक्रांताओं और औपनिवेशिक इतिहासकारों ने इस ज्ञान को नष्ट या विकृत किया, जबकि स्वतंत्रता के बाद भी इनके संरक्षण को वह प्राथमिकता नहीं मिली, जिसकी यह पात्र थीं।

औपनिवेशिक इतिहास लेखन ने भारतीय चिंतन, दर्शन और जीवनदृष्टि को हाशिये पर डाल दिया। लेकिन अब भारतीय समाज अपने इतिहास को नई दृष्टि से देख रहा है। पुरातात्त्विक खोजों, पांडुलिपियों और वैज्ञानिक शोधों के आधार पर भारतीय इतिहास के अनेक नए आयाम सामने आ रहे हैं। आधुनिक इतिहासकार अब भारत की लोक चेतना, नैतिकता, वैज्ञानिक दृष्टि और प्रकृति-सामंजस्यपूर्ण जीवनदर्शन को केंद्र में रखकर इतिहास का पुनर्लेखन कर रहे हैं।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) ने इस दिशा में नई ऊर्जा दी है। अब विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा पर शोधपीठें स्थापित हो रही हैं, और वैज्ञानिक संस्थान भी प्राचीन ज्ञान की आधुनिक उपयोगिता को स्वीकार कर रहे हैं। यदि इस पुरातन ज्ञान को आधुनिक तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (1) से जोड़ा जाए, तो भारत नवाचार और विकास के नए शिखर छू सकता है। फिर भी यह तभी संभव है जब हम परिश्रम, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना अपनाएँ। आज समाज का एक वर्ग सुविधा और मुफ्त योजनाओं पर निर्भर होता जा रहा है। जबकि सच्चा विकास निरंतर श्रम और समर्पण से ही संभव है। यदि भारत अपनी प्राचीन ज्ञान परंपरा और आधुनिक तकनीकी चेतना को एक सूत्र में पिरो सके, तो वह न केवल विश्वगुरु के रूप में पुनः स्थापित होगा, बल्कि मानवता के लिए भी दिशा दिखाने में सक्षम बनेगा।

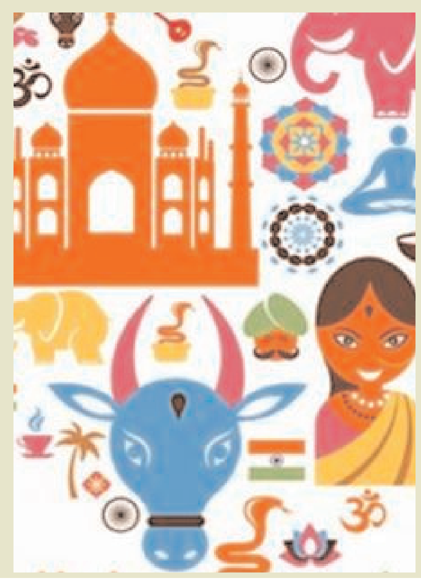

नजरिया

करवा चौथ : प्रेम, श्रद्धा और समर्पण का पर्व

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

करवा चौथ भारत के पारंपरिक पर्वों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भावनात्मक त्योहार है, जो मुख्यतः विवाहित हिंदू स्त्रियों द्वारा अपने पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना के लिए व्रत स्वरूप मनाया जाता है। यह पर्व भारतीय संस्कृति में नारी के त्याग, प्रेम और समर्पण की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करता है। उत्तर भारत के राज्यों जैसे पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में इसे विशेष रूप से मनाया जाता है, किंतु आज के समय में यह पर्व देशभर ही नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय परिवारों में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने लगा है।

करवा चौथ कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार वर्ष 2025 में करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर, शनिवार को होगा। चतुर्थी तिथि 9 अक्टूबर की रात 10:54 बजे प्रारंभ होकर 10 अक्टूबर की शाम 7:38 बजे तक रहेगी। पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5:16 से 6:29 बजे तक और चंद्रोदय का समय 7:42 बजे निर्धारित है।

करवा चौथ से संबंधित अनेक पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध कथा वीरवती की है। कहा जाता है कि एक बार वीरवती नामक रानी ने अपने पति की लंबी आयु के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। दिनभर उपवास रखने के बाद जब वह भूख-प्यास से व्याकुल हो गई तो उसके भाइयों ने छल से पेड़ के नीचे दीपक जलाकर उसे चंद्रमा का भ्रम करा दिया। वीरवती ने चंद्रमा को बिना उदय हुए देख लिया और व्रत तोड़ दिया। परिणामस्वरूप उसके पति की मृत्यु हो गई। बाद में जब उसने अपने सच्चे प्रेम और श्रद्धा के साथ पुनः यह व्रत किया, तो उसकी भक्ति से प्रभावित होकर उसके पति को पुनः जीवन मिला। इस कथा से यह संदेश मिलता है कि सच्चा प्रेम, भक्ति और विश्वास किसी भी कठिन परिस्थिति को पार कर सकते हैं।

एक अन्य प्रसिद्ध कथा करवा नामक एक नारी की है, जिसने अपने पति को एक नाग के विष से बचाने के लिए यमराज से प्रार्थना की। जब यमराज ने उसकी प्रार्थना अस्वीकार की तो उसने अपनी दृढ़ निष्ठा और शक्ति के बल पर यमराज को श्राप देने का संकल्प लिया। उसकी सत्यनिष्ठा और प्रेम से प्रभावित होकर यमराज ने उसके पति का प्राण लौटाया। तब से यह पर्व करवा चौथ कहलाया और यह कथा नारी की शक्ति, त्याग और स्नेह की प्रतीक बन गई।

करवा चौथ केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक महत्व भी बहुत गहरा है। यह दिन विवाहित स्त्रियों के बीच आपसी प्रेम, सहयोग और सौहार्द बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। स्त्रियाँ एक-दूसरे के घर जाकर साज-सज्जा, पूजा की थाली सजाने और व्रत की विधियाँ सीखने जैसे कार्य करती हैं। इससे समाज में एकता की भावना प्रबल होती है। यह पर्व न केवल पत्नी और पति के बीच प्रेम व विश्वास बढ़ाता है, बल्कि परिवार के सदस्यों के बीच भी आत्मीयता का रिश्ता गहरा करता है।

अब कई पुरुष भी अपनी पत्नियों के प्रति समान प्रेम और सम्मान व्यक्त करने के लिए यह उपवास रखते हैं, जिससे यह पर्व आधुनिक समय में समानता का प्रतीक भी बन गया है।

करवा चौथ के व्रत की विधि अत्यंत श्रद्धापूर्वक की जाती है। प्रातःकाल महिलाओं को सूर्योदय से पहले स्नान करके पूजा की तैयारी करनी होती है। यह व्रत सूर्योदय से पहले आरंभ होता है और चंद्रदर्शन के पश्चात ही टूटता है। सास अपनी बहू को सरगी नामक भोजन देती है, जिसमें मिठाई, फल, सूखे मेवे और हल्का भोजन शामिल होता है। इसे आशीर्वाद और स्नेह के प्रतीक के रूप में ग्रहण किया जाता है। दिनभर महिलाएँ बिना अन्न-जल ग्रहण किए उपवास रखती हैं और शाम के समय सजधजकर पारंपरिक वस्त्रों जैसे लाल या सुहाग रंग की साड़ी पहनती हैं। उनके हाथों में मेहंदी रचाई जाती है और माथे पर बिंदी और सिन्दूर सुहाग का प्रतीक बनकर चमकते हैं।

शाम के समय सभी महिलाएँ एकत्र होकर सामूहिक रूप से करवा चौथ की कथा सुनती हैं और पूजा करती हैं। पूजा में मिट्टी के करवे में जल भरकर दीपक जलाया जाता है तथा भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय की आराधना की जाती है। जब चंद्रमा उदय होता है, तब महिलाएँ छलनी के माध्यम से चंद्रमा को देखती हैं और फिर अपने पति के चेहरे को देखने के बाद उनके हाथों से जल ग्रहण करती हैं। इस प्रकार व्रत पूरा होता है। इस विधि में प्रेम, आस्था और उत्साह का संगम दिखाई देता है।

समय के साथ करवा चौथ का स्वरूप बदल गया है। पहले यह उत्सव केवल धार्मिक आस्था और पारंपरिक मान्यताओं तक सीमित था, परंतु आज इसका रूप आधुनिक हो गया है। अब यह पर्व केवल नारी का अपने पति के लिए समर्पण नहीं, बल्कि पारस्परिक प्रेम और सम्मान का प्रतीक बन चुका है। फिल्मों और टीवी धारावाहिकों ने इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ाई है। आज शहरी जीवन में यह त्योहार एक सांस्कृतिक उत्सव जैसा हो गया है, जहाँ महिलाएँ फैशन के अनुसार साज-सज्जा करती हैं, ब्यूटी पार्लरों में जाती हैं और विशेष रूप से तैयार थालियाँ सजाती हैं। शॉपिंग मॉलों और बाजारों में करवा चौथ के अवसर पर विशेष ऑफर्स और साज-सज्जा देखने को मिलती है।

हालाँकि समय बदला है, परंतु इसके मूल तत्व - प्रेम, समर्पण और विश्वास - आज भी वैसी ही महत्ता रखते हैं। यह पर्व साबित करता है कि परंपराएँ यदि मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी हों तो वे कभी पुरानी नहीं होतीं, बल्कि बदलते समय के साथ और भी जीवंत हो जाती हैं। करवा चौथ ने भारतीय संस्कृति में विवाह को मात्र सामाजिक संस्था से ऊपर उठाकर उसे भावनात्मक और आध्यात्मिक बंधन में बदल दिया है। यह दिन पति-पत्नी के रिश्ते में संवाद, निष्ठा और संवेदनशीलता की नई ऊर्जा भर देता है।

करवा चौथ भारतीय नारी की सामाजिक और आध्यात्मिक शक्ति का प्रतीक है। यह पर्व यह संदेश देता है कि प्रेम और श्रद्धा किसी भी संबंध की सबसे मजबूत नींव होते हैं। जब रात के आकाश में चंद्रमा की शीतल किरणें छलनी से छनकर पत्नी के चेहरे पर पड़ती हैं, तो वह क्षण न केवल व्रत की समाप्ति का होता है, बल्कि प्रेम, विश्वास और साथ के उस अनंत वचन का भी प्रतीक बन जाता है, जो जीवन भर अटल रहता है। यही कारण है कि करवा चौथ केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा में रचा-बसा एक ऐसा पर्व है, जो हर वर्ष प्रेम, आस्था और समर्पण की नवीन ऊर्जा लेकर आता है।

ट्वीटर टॉक

बिहार में इंडी गठबंधन का सीएम तय नहीं है, लेकिन डिप्टी सीएम तय है। यानी दूल्हे का पता नहीं है और सहबाला तैयार है कि कोई भी दूल्हा बनेगा, मैं तो सहबाला बनूंगा। हमारा गठबंधन 1995 से लगातार चलता आ रहा है और सीटों का बंटवारा लगभग स्थिर है।

-सुंधाशु त्रिवेदी

आज बिहार हर मामले में पिछड़ गया है और इसका कारण गुड गवर्नेंस का न होना है।नरेंद्र मोदी ने बिहार को सौगात देने के नाम पर सिर्फ जुमलेबाजी की है। हालात ऐसे हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य समेत हर क्षेत्र में केवल दुर्दशा ही हुई है।

-अशोक गहलोत

टोंकसवाई माधोपुर सांसद श्री हरीश मीणा जी के पुत्र श्री हनुमंत मीणा जी के आकस्मिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति दें।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

हर बुराई में अच्छाई खोज सकते हैं

एक शिष्य अपने गुरु से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। तब गांव पैदल ही जाना पड़ता था। जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था, इसलिए उसने कुएं से पानी निकाला और अपना गला तर किया। शिष्य को अद्भुत तृप्ति मिली, क्योंकि कुएं का जल बेहद मीठा और ठंडा था। शिष्य ने सोचा क्यों ना यहां का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूं। उसने अपनी मशक भरी और वापस आश्रम की ओर चल पड़ा। वह आश्रम पहुंचा और गुरुजी को सारी बात बताई। गुरुजी ने शिष्य से मशक लेकर जल पिया और संतुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा- वाकई जल तो गंगाजल के समान है। शिष्य को खुशी हुई। गुरुजी से इस तरह की प्रशंसा सुनकर शिष्य आज्ञा लेकर अपने गांव चला गया। कुछ ही देर में आश्रम में रहने वाला एक दूसरा शिष्य गुरुजी के पास पहुंचा और उसने भी वह जल पीने की इच्छा जताई। गुरुजी ने मशक शिष्य को दी। शिष्य ने जैसे ही घूंट भरा, उसने पानी बाहर कुल्ला कर दिया। शिष्य बोला- गुरुजी इस पानी में तो कड़वापन है और न ही यह जल शीतल है। आपने बेकार ही उस शिष्य की इतनी प्रशंसा की। गुरुजी बोले- बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है तो क्या हुआ।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रैली

पश्चिम बंगाल के सरकारी स्कूलों के संविदा शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों के साथ पैरा-शिक्षक वेतन वृद्धि, ईपीएफ सुविधाओं और स्कूल स्तर पर रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर कोलकाता में एक विरोध रैली में भाग लेते हुए।

विशेषज्ञों को नहीं लगता कि ट्रंप को इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार दिया जाएगा

स्टावेंगर (नॉर्वे)/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नोबेल शांति पुरस्कार जीतने की दावेदारी ने इस साल के पुरस्कार विजेता को लेकर अटकलों के खेल को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है। नोबेल पर लंबे समय से नजर रखने वालों का कहना है कि ट्रंप का नाम चुने जाने की संभावनाएं कमजोर हैं, जबकि पहले भी कई बार उन्हें नामांकित किया जा चुका है और कुछ उल्लेखनीय विदेश नीतिगत हस्तक्षेपों का श्रेय लेकर वह खुद भी इस पुरस्कार की दावेदारी कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि नॉर्वे की नोबेल समिति आमतौर पर शांति की स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय भाईचारे को बढ़ावा देने और उन संस्थानों के शांत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करती है जो इन लक्ष्यों को मजबूत करते हैं। उन्होंने बहुपक्षीय संस्थानों के प्रति ट्रंप के स्पष्ट तिरस्कार और वैश्विक जलवायु परिवर्तन संबंधी चिंताओं के प्रति उनकी उपेक्षा का हवाला देते हुए कहा कि ट्रंप का अपना रिकॉर्ड ही उनके खिलाफ जा सकता है। फिर भी, अमेरिकी राष्ट्रपति अपने पहले कार्यकाल से ही बार-बार नोबेल के मामले में सुर्खियां बटोरते रहे हैं, और उन्होंने पिछले महीने के अंत में संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों से कहा था, ''हर कोई कहता है कि मुझे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। कोई व्यक्ति खुद को नामांकित नहीं कर सकता।

ट्रंप के दावे और पिछले बड़े-बड़े नामांकन उन्हें सट्टेबाजों की पसंदीदा सूची में एक ब्लॉकबस्टर नाम बनाते हैं। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि नॉर्वे की संसद द्वारा नियुक्त पांच सदस्यीय नोबेल समिति की बंद दरवाजों के पीछे होने वाली बैठक में उनका नाम चर्चा में आया भी या नहीं। अमेरिका के भीतर और विदेशों में राजनेताओं द्वारा 2018 से ट्रंप को कई बार नामांकित किया गया है। अमेरिकी सांसद क्लाउडिया टेनी (रिपब्लिकन-न्यूयॉर्क) ने भी दिसंबर में उनका नाम आगे बढ़ाया था। टेनी के कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने अब्राहम समझौते कराने के लिए ट्रंप का नाम बढ़ाया, जिसने 2020 में इजराइल और कई अरब देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाया।इस वर्ष इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पाकिस्तान सरकार द्वारा किए गए नामांकन 2025 के पुरस्कार के लिए एक फरवरी की समय सीमा के बाद हुए।

भारत के लिए सीधी उड़ानों की बहाली संबंधों में सुधार के लिए सकारात्मक कदम : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने बृहस्पतिवार को पांच साल के अंतराल के बाद भारत के साथ सीधी उड़ानें बहाल किये जाने को सकारात्मक कदम करार दिया।चीन ने कहा कि इससे पता चलता है कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच बनी सहमति पर 'ईमानदारी से काम' कर रहे हैं।

चीन के आठ दिवसीय राष्ट्रीय अवकाश के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने पहली प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि उड़ानें अक्टूबर के अंत तक पुनः शुरू हो जाएंगी। भारत ने दो अक्टूबर को घोषणा की थी कि चीन के लिए सीधी उड़ानें 26 अक्टूबर से फिर से शुरू होंगी।गुओ ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''यह नवीनतम कदम दर्शाता है कि किस प्रकार दोनों देश 31 अगस्त को तियानजिन में राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बनी महत्वपूर्ण आम समझ पर ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक सक्रिय कदम है जो 2.8 अरब से अधिक चीनी और भारतीय लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान को सुगम बनाता है। मोदी और चिनफिंग ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के इतर मुलाकात की थी और अक्टूबर 2024 में रूस के कज़ान में अपनी पिछली बैठक के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक और लगातार हो रही प्रगति का स्वागत किया था।गुओ ने कहा, ''चीन, भारत के साथ मिलकर द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में देखने और संभालने के लिए तैयार है, ताकि हम अच्छे पड़ोसी की तरह मित्र बन सकें और एक-दूसरे की सफलता में मदद करने वाले साझेदार बन सकें, तथा ड्रैगन और हाथी के बीच सहयोगात्मक तालमेल को साकार कर सकें, ताकि दोनों देशों के लोगों के लिए अधिक ठोस परिणाम प्राप्त किए जा सकें और एशिया तथा उसके बाहर शांति और समृद्धि को कायम रखने में उचित योगदान दिया जा सके।

एयर चाइना जैसी चीन की विमानन कंपनियां पहले दोनों देशों के बीच उड़ानें संचालित करती थीं, लेकिन उन्होंने अब तक उड़ानें पुनः शुरू करने की योजना की औपचारिक घोषणा नहीं की है।सूत्रों ने बताया कि भारतीय विमानन कंपनी इंडिगो और चाइना ईस्टर्न दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने वाली पहली दो विमानन कंपनी होंगी।इंडिगो ने एक बयान में कहा था कि वह 26 अक्टूबर से कोलकाता से गुआंगझोउ के लिए दैनिक उड़ानें संचालित करने की योजना बना रही है।नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा था कि भारत और चीन अक्टूबर के अंत तक सीधी हवाई सेवाएं फिर से शुरू कर देंगे।दोनों देशों के बीच उड़ान सेवाओं को 2020 में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर निलंबित कर दिया गया था।

पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय तक जारी सीमा गतिरोध के मद्देनजर उन्हें बहाल नहीं किया गया था। पिछले साल अक्टूबर में दोनों पक्षों ने गतिरोध के अंतिम दो बिंदुओं देपसांग और डेमचोक से सैनिकों को पीछे हटाने का समझौता किया था।

संबोधन

कांग्रेस नेता भूपेश बघेल और पार्टी की बिहार इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार पटना में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए।

'दास्तान-ए-गुरु दत्त' ने सिनेमा के महानायक को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली/भाषा

एक शाम दास्तांगोई की प्रस्तुतियों की होगी, जिसमें कविताएं, संगीत और कथाओं के जरिये 11 अक्टूबर को कमानी ऑडिटोरियम में सिनेमा के महान निर्देशक गुरु दत्त को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यह संगीतात्मक श्रद्धांजलि 'दास्तान-ए-गुरु दत्त' उनके जन्म शताब्दी वर्ष और शुक्रवार को उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित की जा रही है। यह दास्तान अब्बास कमार द्वारा लिखी गई है और इसे फौजिया दास्तांगो द्वारा सुनाया जाएगा, जो मीना कुमारी, मधुबाला, कृष्णा और राम पर अभिनव प्रस्तुतियों के लिए जानी जाती हैं। फौजिया के साथ गायक लतिका जैन भी होंगी जो गुरु दत्त की फिल्मों के गीत प्रस्तुत करेंगी। यह कार्यक्रम पारंपरिक कहानी कहने और संगीत की शैली में गुरु दत्त के जीवन और कला को मंच पर जीवंत करेगा।

फौजिया दास्तांगो ने एक बयान में कहा, ''गुरु दत्त सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक भावना हैं एक शाश्वत आत्मा जिन्होंने अपने सिनेमा के जरिए गहरी मानवीय भावनाओं को व्यक्त किया। दास्तान-ए-गुरु दत्त के माध्यम से मैं उनकी जिंदगी और कला को आज की पीढ़ी तक पहुंचाना चाहती हूँ ताकि उनका प्रकाश सदैव चमकता रहे।'' लतिका जैन ने कहा, ''मैं गुरु दत्त की कहानी का हिस्सा बनने के लिए गहराई से आभारी महसूस करती हूँ। जब मैं मंच पर उनके गीत गाती हूँ, तो ऐसा लगता है जैसे मैं उनकी कहानियों को उनके निर्देशन में आगे बढ़ा रही हूँ। यह मेरे लिए अवसर और जिम्मेदारी दोनों है।''

रूपाली और विकास जालान द्वारा तैयार यह कार्यक्रम डिजिटल आर्काइव सिनेमाज़ी की संस्थापक आशा बत्रा के शोध पर आधारित है।

सामूहिक प्रार्थना

पोप लियो दखत गुरुवार को वेटिकन के सेंट पीटर्स स्क्वायर में नियुक्त लोगों की जयंती समारोह में भाग लेने वालों के लिए एक सामूहिक प्रार्थना सभा की अध्यक्षता करने के बाद प्रस्थान करते हुए।

मुंबई की फिल्म सिटी बनेगी वर्ल्ड-क्लास, फड़णवीस ने किया वादा

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'फिक्की फ्रेम्स' में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को साथ देखा गया। इस दौरान मंच से एक्टर ने सीएम से कई सवाल पूछे और सीएम ने सवालों का जवाब देते हुए फिल्म नायक का किस्सा भी शेयर किया। इसके अलावा, एक्टर ने मुंबई के विकास और फिल्म सिटी के विकास पर भी सवाल पूछे, और सीएम फडणवीस ने गोरेगांव को वर्ल्ड-क्लास बनाने की बात कही। कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछा कि बॉम्बे का विकास हो चुका है, लेकिन हमारी फिल्म सिटी गोरेगांव पर आपकी दृष्टि कब पड़ेगी? इस सवाल का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि मेरी बहुत इच्छा थी फिल्म इंडस्ट्री के इंटरनेशनल फिल्म इकोसिस्टम को बदलूं, इसके बारे में इंडस्ट्री के बड़े लोगों से बात भी हुई, लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं पाया, लेकिन अब मैंने ठान लिया है कि मुंबई की फिल्म सिटी को वर्ल्ड-क्लास बनाएंगे।

उन्होंने आगे कहा, यहां आईआरसीटीसी सहित कई बड़े स्टूडियो आने वाले हैं। अब फिल्म मेकिंग का पूरा तरीका बदल चुका हैवीएफएक्स, एडिटिंग, प्रोडक्शन और वर्चुअल लोकेशन्स का दौर है। हमें उसी हिसाब से एक अत्याधुनिक फिल्म सिटी तैयार करनी होगी। सीएम ने आगे कहा, अगले चार सालों में इस पूरे एरिया को ट्रांसफॉर्म किया जाएगा, ताकि मुंबई की फिल्म सिटी भी दुनिया की प्रमुख फिल्म सिटीज़ की तरह एक आइकॉनिक डेस्टिनेशन बने।

इसी के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुलासा किया कि कैसे अनिल कपूर की फिल्म नायक उनके लिए मुसीबत बन गई। कार्यक्रम में किस्सा शेयर कर सीएम ने कहा कि फिल्म नायक के बाद मुझे बहुत परेशानी हुई क्योंकि उस फिल्म में अनिल कपूर एक दिन के लिए सीएम बनते हैं और दुनिया को बदल देते हैंलोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैंने ऐसा क्यों नहीं किया, जैसा अनिल कपूर ने कर दिया। सीएम ने आगे कहा कि जनता अनिल कपूर को नायक और मुझे नालायक समझने लगीलेकिन मैं अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं कि सभी उद्देश्य पूरे हों।

इसके अलावा कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने सीएम फडणवीस से पुलिस के जूते बदलने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस के जूतों की एड़ी बड़ी होती है, जिससे चलने और दौड़ने में परेशानी होती है। वहीं एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म हैवान के बारे में भी बताया जिसमें वो निगेटिव रोल कर रहे हैं।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' विवाद

दिल्ली हाईकोर्ट ने शाहरुख खान की कंपनी और नेटफ्लिक्स को भेजा समन

नई दिल्ली/एजेन्सी

आईआरएस अधिकारी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने दिल्ली हाईकोर्ट में वेब सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के खिलाफ एक याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने अभिनेता शाहरुख खान और गौरी खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स और अन्य के खिलाफ 2 करोड़ रुपए की मानहानि का दावा करते हुए याचिका दाखिल की थी। अब इस मामले की सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को समन जारी किया है। यह मुकदमा 8 अक्टूबर 2025 को दायर किया गया था। समीर वानखेड़े ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की वजह से उन्हें और उनके परिवार की प्रतिष्ठा, गरिमा और सार्वजनिक छवि को गंभीर रूप से क्षति पहुंची है। इसकी वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया गया।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने वानखेड़े को कुछ बातों को स्पष्ट करने का आदेश देते हुए संशोधित याचिका दाखिल करने को कहा था। जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव की पीठ ने बुधवार को समीर वानखेड़े की संशोधित याचिका पर सुनवाई की। बुधवार को वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने वानखेड़े की ओर से दलीलें पेश की और बताया कि वेब सीरीज के कारण वानखेड़े और उनके परिवार को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। नेटफ्लिक्स की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नैयर ने कोर्ट में कहा कि सभी पक्ष एक ही स्थान पर निवास नहीं करते, इसलिए दिल्ली में यह मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता। इस पर न्यायाधीश ने कहा कि सामान्य रूप से कोई निषेधाज्ञा आदेश पारित नहीं किया जा सकता। उन्होंने दोनों पार्टी को समन जारी करते हुए कोर्ट में अपना जवाब पेश करने का आदेश दिया। इस मामले की अगली सुनवाई अब 30 अक्टूबर को होगी। इस मुकदमे में रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, नेटफ्लिक्स, एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर), गूगल एलएलसी, मेटा प्लेटफॉर्म्स, आरपीजी लाइफस्टाइल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और जॉन डो को प्रतिवादी बनाया गया है। समीर वानखेड़े ने दावा किया है कि वेब सीरीज में जानबूझकर उनके खिलाफ पक्षपातपूर्ण और मानहानिकारक सामग्री डाली गई है। समीर वानखेड़े और आर्यन खान का मामला वर्तमान में मुंबई की एक विशेष एनडीपीएस अदालत में चल रहा है।

दीपिका पादुकोण के विज्ञापन में हिजाब पहनने को लेकर छिड़ी बहस

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अबू धाबी पर्यटन के लिए एक प्रचार अभियान को लेकर सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में हैं, जिसमें वह शेख जायद ग्रैंड मस्जिद में हिजाब पहने हुए दिखाई दे रही हैं। अपने पति और अभिनेता रणवीर सिंह के साथ इस विज्ञापन में नज़र आ रहीं दीपिका पहले भी कई विवादों में घिर चुकी हैं। इससे पहले, संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में अपनी उपस्थिति और पठान के गाने बेशरम रंग में नारंगी रंग की बिकनी पहनने के लिए भी उन्हें सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। पादुकोण अब अपने पति के साथ मिलकर अबू धाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग के गंतव्य ब्रांड 'एक्सपीरियंस अबू धाबी' की ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। मेरा सुकून शीर्षक वाले इस प्रचार वीडियो में यह जोड़ा अबू धाबी की सैर करता हुआ दिखाई दे रहा है और रणवीर, दीपिका को शहर की अपनी कुछ पसंदीदा जगहों से परिचित करा रहे हैं, जिनमें कई सांस्कृतिक और स्थापत्य स्थल शामिल हैं। एक दृश्य में, यह जोड़ा ग्रैंड मस्जिद में है और दीपिका अबाया और हिजाब पहने हुए दिखाई दे रही हैं।

प्रचार वीडियो के सामने आने के बाद कुछ लोगों ने पादुकोण (39) को रूढ़िवादी पोशाक को बढ़ावा देने के लिए फर्जी नारीवादी कहा, जबकि अन्य ने उनके निर्णय का बचाव किया और अरब संस्कृति के प्रति उनके सम्मान की बात कही। पादुकोण की आलोचना करने वालों ने तर्क दिया कि हिजाब पहनने का उनका निर्णय 2015 के माई चॉइस वीडियो में उनकी उपस्थिति के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें उन्होंने महिलाओं को अपनी शर्तों पर जीने, कपड़े पहनने और प्यार करने की स्वतंत्रता की वकालत की थी। 'एक्स' पर एक प्रयोक्ता ने पूछा, दीपिका पादुकोण का वीडियो 'माई चॉइस' याद है? 'बिंदी लगाना या न लगाना, मेरी मर्ज़ी'। 'मैं क्या कपड़े पहनूंगी, यह मैं ही तय करती हूं। अब दीपिका पादुकोण ने हिजाब पहनकर अबू धाबी टूरिज्म का प्रचार करते हुए वीडियो बनाया है। 'माई चॉइस' का क्या हुआ? इसी तरह की एक और पोस्ट में कहा गया, हिंदू परंपराओं पर-'मेरा शरीर, मेरी पसंद'। लेकिन पैसे के लिए 'हिजाब' पहनने में कोई समस्या नहीं। यह दीपिका पादुकोण जैसी फर्जी नारीवादियों की वास्तविकता है। वे नारीवादी नहीं हैं...वे सिर्फ 'हिंदू विरोधी' हैं। एक पोस्ट में लिखा था, दीपिका पादुकोण की राय...बिंदी पर: मेरी पसंद। हिजाब पर: पैसे दो कुछ भी पहन लूंगी। मेरी पसंद पैसे तक सीमित है, आखिरकार वह एक अभिनेत्री हैं, पैसे के लिए कुछ भी कर सकती हैं, नारीवाद और स्वतंत्रता जैसी कोई चीज नहीं है, वह पैसे के लिए अपनी आत्मा बेच सकती हैं। एक व्यक्ति ने आश्चर्य जताया कि दीपिका ने किसी भारतीय धार्मिक स्थल का इस तरह प्रचार क्यों नहीं किया। उपयोगकर्ता ने लिखा, दीपिका पादुकोण ने अबू धाबी मस्जिद का प्रचार करने के लिए हिजाब पहना। लेकिन वह कभी अपने धर्म या किसी तीर्थ स्थल का प्रचार नहीं करेंगी।

हालांकि कई प्रयोक्ताओं ने पादुकोण का समर्थन भी किया। एक प्रयोक्ता ने 'एक्स' पर उनकी तस्वीरें साझा करते हुए कहा, यह दीपिका पादुकोण हैं, जब वह मंदिर गई थीं। वह हमेशा से भारत की संस्कृति का सम्मान करती रही हैं। पर्यटन विज्ञापन में, उन्होंने वही पहना है जो उस संस्कृति के लिए उपयुक्त है। आपको ऐसे व्यक्ति पर गर्व होना चाहिए जो किसी भी देश में जाकर सम्मान दिखा सकता है। वहीं एक पोस्ट में कहा गया, इस खूबसूरत हिजाब ने दीपिका को ग्लैमरस लुक दिया। एक प्रयोक्ता ने लिखा, अरब संस्कृति के प्रति उनका सम्मान और उनका हिजाब पहनना मेरे लिए उनके प्रति प्रेम को और बढ़ा देता है..। यह प्रचार अभियान अबू धाबी को सुकून वाले गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करता है, तथा यह पहली बार है जब दीपिका और रणवीर ने संयुक्त रूप से किसी वैश्विक पर्यटन ब्रांड का प्रतिनिधित्व किया है।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि विनय ही धर्म का मूल है। मूल है तो स्कंध है, स्कन्ध है तो शाखा है, शाखा है तो प्रशाखा है, प्रशाखा है तो पत्तियाँ हैं और पत्तियाँ हैं तो फल हैं।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मैत्री संस्कृत संस्कृति प्रतिष्ठान द्वारा चौड़य्या मेमोरियल हॉल में आयोजित संस्कृति उत्सव कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए प्रतिष्ठान के प्रमुख गणपति हेगड़े व मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अन्य ।

विश्व को स्वतंत्र, ठोस और वस्तुनिष्ठ जानकारी की आवश्यकता है : पोप लियो

वेटिकन सिटी/भाषा

पोप लियो ने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व को स्वतंत्र, वस्तुनिष्ठ और कड़ी मेहनत वाली पत्रकारिता की आवश्यकता है, अन्यथा लोग ''तथ्य और कल्पना'' तथा ''सत्य और असत्य'' के बीच अंतर नहीं कर पाएंगे जैसा कि अधिनायकवादी शासन में होता है। पोप ने इस बात पर जोर दिया कि सूचना तक मुक्त पहुंच एक ऐसा स्तंभ है जिस पर हमारे समाज की इमारत टिकी है। उन्होंने कहा, ''इसी कारण से हमसे इसकी (प्रेस की स्वतंत्रता की) रक्षा करने और इसकी गारंटी देने के लिए कहा गया है।

पोप ने वेटिकन में दुनियाभर की समाचार एजेंसियों के आमंत्रित कार्यपालक अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता को ''अनुचित प्रतिस्पर्धा और तथाकथित 'क्लिकबेट' (वेबसाइट पर उपयोगकर्ता को आकर्षित करने के लिए प्रयुक्त सामग्री) के तुच्छ चलन से मुक्त होना चाहिए।

पोप ने कहा कि समाचार एजेंसियां ''सटीक और संतुलित सूचना के अधिकार'' की रक्षा करने में अग्रणी भूमिका निभाती हैं। पोप लियो प्रेस की स्वतंत्रता के प्रबल समर्थक हैं। इस पद पर चुने जाने के तुरंत बाद उन्होंने दुनिया भर के पत्रकारों से मुलाकात की थी और जेल में बंद पत्रकारों की रिहाई की अपील की थी। पोप ने समाचार एजेंसियों से ''अपने प्राधिकार को कभी नहीं बेचने का'' आग्रह करते हुए कहा कि संचार क्षेत्र अपने काम को, सच्चाई साझा करने से अलग ''नहीं कर सकता'' और ''ना ही ऐसा करना चाहिए। उन्होंने विवेकपूर्ण और आलोचनात्मक तरीके से सोचने में मदद करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह ''विरोधाभास है कि संचार के युग में समाचार और मीडिया एजेंसियां संकट के दौर से गुजर रही हैं।

पोप लियो ने कहा, ''इसी तरह, जो लोग सूचना का उपभोग करते हैं, वे भी संकट में हैं तथा वे अक्सर झूठ को सच और प्रामाणिक को कृत्रिम समझ लेते हैं। इसके बावजूद कोई आज यह नहीं कह सकता कि 'मुझे जानकारी नहीं थी'।

सेंट पीटर की गद्दी पर बैठने वाले पहले अमेरिकी, पोप लियो ने सतर्कता बरतने का भी आह्वान किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रौद्योगिकी इंसानों की जगह न ले ले। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचना प्राप्त करने के तरीके को बदल रही है।

उन्होंने कहा, ''एल्गोरिदम' ऐसे अभूतपूर्व पैमाने और गति से सामग्री एवं डेटा उत्पन्न करते हैं जो पहले कभी देखा गया लेकिन उन्हें नियंत्रित कौन करता है? कृत्रिम बुद्धिमत्ता सूचना प्राप्त करने और संवाद करने के हमारे तरीके को बदल रही है लेकिन इसे कौन और किस उद्देश्य से निर्देशित करता है?'' 'एल्गोरिदम' किसी कार्य को करने के लिए चरण-दर-चरण निर्देशों का एक समूह है जिसका उपयोग अक्सर कंप्यूटर विज्ञान में किया जाता है। पोप ने कहा, ''हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहना होगा कि प्रौद्योगिकी मनुष्यों की जगह न ले ले और सूचना एवं आज इसे नियंत्रित करने वाले एल्गोरिदम कुछ ही लोगों के हाथों में न रह जाएं।

पोप ने स्वतंत्र, ठोस और वस्तुनिष्ठ जानकारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए अमेरिकी इतिहासकार हन्ना अरेंडट की 1951 में प्रकाशित पुस्तक 'द ओरिजिन्स ऑफ टोटलिटेरियनिज्म'' में दी गई चेतावनी का हवाला दिया कि ''अधिनायकवादी शासन का आदर्श विषय कोई कट्टर नाजी या कट्टर कम्युनिस्ट नहीं है, बल्कि वे लोग हैं जिनके लिए तथ्य एवं कल्पना और सच एवं झूठ के बीच का अंतर अब अस्तित्व में नहीं है। उन्होंने जनसंचार माध्यमों के ''तेजी से व्यापक हो रहे'' डिजिटलीकरण के युग में समाचार एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया।

विनयवान को ही मिलता है मोक्ष मार्गः संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रभु की अंतिम वाणी का स्वादन चल रहा है। भगवान का शासन पर अनंत उपकार है। उनके दिखाए मार्ग पर आज भी हजारों लोग चल कर जीवन का उद्धार कर रहे हैं। महावीर ने प्रत्येक मनुष्य को मोक्ष का मार्ग बतलाया है। जो उस पर चलते हैं उनको मोक्ष मिल जाता है। उनकी वाणी से मनुष्य अपने कर्मों की जंजीर को तोड़ सकता है। उन्होंने अपनी वाणी से गंभीर ज्ञान दिया है। भगवान ने लाखों प्राणियों का कल्याण किया। हजारों लोग संयम के मार्ग पर चल रहे हैं।बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो गलत मार्ग पर चलते थे, वे भी सही मार्ग पर चलने लगे।उन्होंने कहा, बाकी सब धन लूट लिया जाता है, लेकिन ज्ञान का धन कोई छीन नहीं सकता है। इसको कोई लूट नहीं सकता है। अगर यह धन है तो अन्य धन की जरूरत ही नहीं है। विद्या धन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस धन को लेकर कोई तनाव नहीं होता है। इसका कोई बंटवारा नहीं होता है। ऐसे ज्ञान का धन भगवान ने जाते जाते मानव को दिया है। उत्तराध्ययन सूत्र में इसका उल्लेख है। पहला अध्ययन विनय सूत्र होता है। विनय धर्म का मूल होता है। मूल है तो वृक्ष है। मूल ही नहीं है तो वृक्ष भी बनना संभव नहीं होगा। मूल के बिना पेड़, पत्ता, फल फुल संभव नहीं होगा। इस धर्म की आराधना करने वाला मानव संसार से पार हो जाता है। संसार के राग द्वेष से मुक्त मनुष्य विनय धर्म को सुने तो मोक्ष मिल जाएगा। जो संस्कारहीन है उसमें विनय धर्म नहीं होता है। जो विनय संपन्न नहीं है उसका तिरस्कार होता है। अविनीत असंस्कारी मानव बुराई की ओर भागता है। जो झुकता है उसको सब मिल जाता है।ङ्कसंतश्री ने कहा कि विनयवान के गुण अलग हो होते हैं। जब मानव को केवल ज्ञान प्राप्त होता है तो मानव सही और गलत की पहचान कर लेता है। केवल ज्ञान प्राप्त करने वाला अपने आप ही सही मार्ग पर बढ़ने लगता है। केवल ज्ञान अधूरा नहीं बल्कि पूरा ज्ञान होता है। यह सब विनय का ही गुण है। विनय में धर्म, चारित्र समेत सब गुण आ जाते है। बस जीवन में विनय का गुण आना चाहिए। विनय भाव से मानव कुछ भी बन सकता है। चार चीजें मानव को बहुत मुश्किल से मिलती है। अगर मिलता है तो उसका कद्र नहीं करता है। मानवता मिलना मुश्किल है। मनुष्य तो है लेकिन मनुष्य नहीं बन पा रहे हैं। मानव नहीं बल्कि मानवता पूंजी जाती है। मानव भव हाथ में हीरे जैसा है। मिला है तो समझ कर कमाई कर लो। दौलत काम नहीं आएगा। धन को देख कर लालच करने की जरूरत नहीं। सब मिल सकते हैं, लेकिन संत मिलना भगवान की वाणी मिलना बहुत मुश्किल है। अगर ऐसा मौका मिला है तो जीवन को सुधार लेना चाहिए। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

प्रभु महावीर की वाणी ही जैन धर्म का आधार है : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि विनय ही धर्म का मूल है। मूल है तो स्कंध है, स्कन्ध है तो शाखा है, शाखा है तो प्रशाखा है, प्रशाखा है तो पत्तियाँ हैं और पत्तियाँ हैं तो फल हैं। भगवान की वाणी अमोघ वाणी है। प्रभु महावीर की वाणी ही जैन धर्म का आधार है, जैन धर्म का प्राण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रभु महावीर का धर्म शासन चल रहा है। हम सभी उनके ही शासन काल में धर्म आराधना कर रहे हैं। प्रभु महावीर ने मोक्ष में जाने से पूर्व अपने अंतिम समय में 16 प्रहर तक सभी जीवों के कल्याण हेतु शिक्षा प्रदान की थी जिसे हम उत्तराध्ययन सूत्र के नाम से जानते हैं। यह उद्बोधन उत्तरकाल में दिया गया था इसलिए इसे उत्तराध्ययन सूत्र कहा गया है।

भगवान ने उत्तराध्ययन सूत्र रूपी ज्ञान का खजाना देकर सभी जीवों पर अनंत उपकार किया है। इस सूत्र के एक एक अक्षर भी बड़े मूल्यवान हैं, सारगर्भित हैं, गागर में सागर के समान हैं। युगों युगों से हमारे गुरु भगवंत इस ज्ञान की गंगा को प्रवाहित करते आ रहे हैं। यह सूत्र हर साधक के उपयोग का तो है ही, अगर कोई गृहस्थी में रहने वाला व्यक्ति भी इसका अध्ययन करे तो उसका भी बेड़ा पार हो जाता है।ङ्कसाध्वी धैर्याश्री ने कहा कि यदि भगवान की वाणी नहीं होती, तो हम किसके मार्ग पर चलते और किस प्रकार की साधना करते? यह विचार ही असंभव प्रतीत होता है। भगवान की वाणी ही वह दिव्य प्रकाश है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर आत्मा के वास्तविक स्वरूप का बोध कराती है। प्रभु महावीर की वाणी में आत्मा के उत्थान का संपूर्ण विज्ञान समाया हुआ है। उन्होंने न केवल मोक्षमार्ग का सच्चा स्वरूप बताया, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि आत्मा स्वयं अपने उद्धार की क्षमता रखती है, बस उसके लिए सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र की आवश्यकता है।

पूनम मेले में नाकोड़ा तीर्थ में गूंजे श्रद्धा के गीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अरसीकेरे। शहर के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के प्रांगण में शरद पूर्णिमा परा पूनम मेले का आयोजन केशवलाल नरोत्तमकुमार प्रजापत परिवार के सौजन्य से किया गया। तुषार गुरु ने मंत्रोच्चार से पूजन की विधि करवाई।

भजन गायक दिलखुश बाफणा के साथ अन्य गायकों व संभव संगीत मंडल ने भजनों की प्रस्तुति दी। लाभार्थियों ने पार्श्व भैरव महापूजन किया, भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढ़ाया। 108 दीपकों की आरती की गई। अहमदाबाद से आए टीना मुकेश एवं आशा प्रकाश ने राजस्थानी नृत्य का प्रदर्शन किया। मेले के लाभार्थी परिवार का सम्मान ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने किया ।

चीनी महिला से रोमांस पड़ा महंगा, अमेरिकी राजनयिक बर्खास्त

वाशिंगटन/एपी

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अपने देश के एक राजनयिक को चीनी महिला से कथित रोमांटिक संबंध रखने के कारण बर्खास्त कर दिया है। महिला पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध होने का आरोप है। इस मामले को पिछले साल बाइडन प्रशासन के दौरान लागू किए गए उस प्रतिबंध के तहत पहली कार्रवाई माना जा रहा है, जिसमें अमेरिकी कर्मियों के चीनी नागरिकों से ऐसे व्यक्तिगत संबंध पर रोक लगाई गई थी।

'एसोसिएटेड प्रेस' की पहले की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के अंतिम दिनों में यह प्रतिबंध लगाया गया था। इसके तहत चीन में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मियों, उनके परिजनों और सुरक्षा मंजूरी प्राप्त संविदा कर्मचारियों को किसी भी चीनी नागरिक के साथ रोमांटिक या यौन संबंध रखने से मना किया गया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि संबंधित राजनयिक को बर्खास्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा मामले की समीक्षा के बाद यह कार्रवाई की गई।

उन्होंने कहा कि राजनयिक ने 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ाव वाली एक चीनी नागरिक के साथ अपने रोमांटिक रिश्ते को छुपाने की बात स्वीकार की थी। पिगॉट ने कहा, ''विदेश मंत्री रुबियो के नेतृत्व में हम उन कर्मचारियों के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति बनाए रखेंगे, जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करेंगे।

संबंधित राजनयिक का नाम उजागर नहीं किया गया है, लेकिन दक्षिणपंथी कार्यकर्ता जेम्स ओ'कीफ द्वारा ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो में राजनयिक और उसकी चीनी महिला मित्र नजर आए। बीजिंग में, चीन सरकार के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह अमेरिका का घरेलू मामला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने दैनिक प्रेस वार्ता में कहा, लेकिन मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहूंगा कि हम वैचारिक मतभेदों के आधार पर कार्रवाई किए जाने और चीन को दुर्भावनापूर्ण रूप से बदनाम करने के खिलाफ हैं।

धर्म का मूल है विनय : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र के 14 दिवसीय सूत्र स्वाध्याय साधना के प्रथम दिवस पर कहा कि आगम का अर्थ है आप्त पुरुषों की वाणी। तीर्थंकर अरिहंत भगवान की वाणी एवं गणधर विशिष्ट श्रुतधर की रचना कृति आगम हैं। मुनिश्री ने कहा कि प्रकाश पर्व दिवस पावापुरी नगरी, राजा हस्तिपाल की पौषधशाला जहां पर तीर्थंकर भगवान महावीर का अन्तिम चातुर्मास, अन्तिम सवशरण और अंतिम देशना प्रभु ने निरन्तर सोलह प्रहर तक अपने बेले तप की साधना के साथ अपनी यह अंतिम देशना इस जगत के भव्य जीवों को प्रदान की और हम सब पर अनन्त असीम उपकार किया जिसके एक एक शिक्षा सूत्र का पाथेय लेकर संसारी साधक अपनी आत्मा के कल्याण में आगे बढ़ते हुए अपने मुक्ति मोक्ष पद की मंजिल की राह प्रशस्त कर सकता है।ङ्कसूत्र के प्रथम विनय अध्ययन का सार प्रस्तुत करते हुए संत श्री ने कहा कि धर्म का मूल विनय है। जैसे पृथ्वी सब शरणागत जीवों का आधार है, वैसे ही विनय गुण सभी गुणों का आधार और जिनशासन का मूल है। जहां विनय है वहां धर्म है। विद्या से विनय एवं विनय से ज्ञान एवं गुणों की पात्रता बनती है। उन्होंने विनीत शिष्य के गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि विनयशीलता का गुण हमें भगवान महावीर के प्रथम शिष्य गणधर गौतम स्वामी से सीखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि साधक को अपने साधना मार्ग में आने वाले परिषह उपसर्गों से घबराना नहीं चाहिए बल्कि समता समभाव से सब सहन करते हुए अपने साधना मार्ग में आगे बढ़ते रहना चाहिए।

आनंद श्रावक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सभी श्रावक श्रद्धालुओं को भी यही भावना भानी चाहिए कि मैं भी आगे एक दिन जरूर श्रावक व्रत से आगे बढ़ते हुए महाव्रतों को धारण कर संयम पथ अंगीकार करने में सफल हो जाऊ। श्री शालिभद्र मुनि जी म सा ने धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को श्री उत्तराधयन सूत्र के प्रथम चार अध्ययन की मूल गाथाओं का सामूहिक रूप से स्वाध्याय कराया एवं कार्यक्रम का संचालन किया। प्रथम दिवस के सूत्र साधना में सहयोगी बनने का लाभ स्थानकवासी ईटा सकल जैन महिला संघ ने लिया।

सम्मान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हुब्बल्ली की श्रेयांस पारणा समिति के सदस्यों ने 93 आयम्बिल करने वाले तपस्वी व शान्ति निकेतन डिग्री कॉलेज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष भंवरलाल जैन व हर्षित महेन्द्र छाजेड़ का सम्मान किया। समिति के संस्थापक सदस्य लक्ष्मीलाल बोहरा, कैलाश चन्द्र दक, अध्यक्ष बाबूलाल पालगोता, वर्धमान स्थानकवासी श्रावक संघ के सचिव प्रकाश कटारिया आदि ने तपस्वियों का सम्मान किया। श्रेयांस पारणा समिति गत छह माह से एकान्तर तप व वर्षीतप के तपस्वियों के लिए पारणे की व्यवस्था कर रही है।

समर्थन

वेल्स की राजकुमारी केट, होम-स्टार्ट ऑक्सफ़ोर्ड परिवारों और उनका समर्थन करने वाले स्वयंसेवकों के साथ इंग्लैंड के ऑक्सफ़ोर्ड में गुरुवार को एक तस्वीर खिंचवाती हुईं।

मारवाड़ कांठा समाज के संस्थापक अध्यक्ष गौतम मुथा का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा यशवंतपुर में साध्वी सोमयशाश्री की निश्रा में मारवाड़ कांठा समाज बेंगलूरु के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतमचंद मुथा का सम्मान किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि संसार में बहुत कठिन है स्वार्थ का त्याग। अपना स्वार्थ छोड़कर समाज के लिए समर्पित रूप से कार्य करने वाले व्यक्ति विरले ही होते हैं जो व्यक्ति तन, मन, धन से समाज के उत्थान में तत्पर रहते हैं वे सबके दिलों में अपना स्थान बना लेते हैं। उन्होंने कहा कि यशवंतपुर में गौतमचंद मुथा एवं प्रकाशचंद बाबेल की संघ के प्रति समर्पित मित्रता की आदर्श जोड़ी है जो संघ की प्रगति के लिए सदैव अग्रसर रहते हैं। साध्वी सरलयशाश्री ने मुथा के साधु साध्वीवृन्द के प्रति समर्पण भाव की सराहना करते हुए कहा कि आपके कार्यकाल में संघ एवं समाज प्रगति की नई उंचाइयों पर पहुंचे। साध्वी ऋषिप्रभाश्री ने भी अपने विचार व्यक्त किए। तेरापंथ सभा यशवंतपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचंद बाबेल ने कहा कि गौतमचंद मुथा समाज के कर्मठ कार्यकर्ता है और सबको साथ लेकर चलते हैं।

अपने सम्मान पर गौतमचंद मुथा ने कहा कि संघ और समाज सबसे बड़ा है। व्यक्ति उसकी इकाई है। पद आवश्यक नहीं है। समाज हमें योग्य समझकर कार्य भार सौंपता है उसे हमें अपना सौभाग्य समझना चाहिए। प्रमुख लोगों एवं पदाधिकारियों ने मुथा का सम्मान किया।

आवासीय स्कूल में सात साल के बच्चे की आग दुर्घटना में मौत

मडिकेरी। कोडागु जिले के एक आवासीय विद्यालय में आग लगने की घटना में सात वर्षीय एक छात्र की मौत हो गई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आग तड़के यहां के पास हर मंदिर स्कूल में लगी और आवासीय विद्यालय में रहने वाले बाकी 29 छात्रों को बचा लिया गया है। पीड़ित की पहचान मदिकेरी तालुक के चेट्टीमनी गांव के कक्षा दो के छात्र पुष्पक (सात) के रूप में हुई है। मदिकेरी अग्निशमन केंद्र के दमकलकर्मियों ने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर आग पर काबू पाया। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com